संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

■ वर्ष -17 ■ अंक-132 ■ रायपुर, शुक्रवार 09 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-2.00 रुपये

आज का पंचांग



तिथि : चतुर्दशी
नक्षत्र : उत्तर फाल्गुनी
प्रथम करण : विष्टि
द्वितीय करण : सकुना
पक्ष : कृष्ण
वार : शुक्रवार
योग : ब्रह्मा
सूर्योदय : 06:22
सूर्यास्त : 17:54
चंद्रमा : कन्या राशि में
राहुकाल : 10:41 - 12:08
विक्रमी संवत् : 2083
शक संवत : 1948
मास : आश्विन
शुभ मुहूर्त अभिजीत : 11:45 - 12:31

IED डिफ्यूज करते वक्त जोरदार धमाका, 4 जवान घायल

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में एलाड़मड़गु कैंप के पास IED को निष्क्रिय करने के दौरान जोरदार धमाका हो गया। इस ब्लास्ट की चपेट में आने से CRPF के 4 जवान घायल हो गए। सभी घायलों को अस्पताल लाया गया, जहां इलाज जारी है। जानकारी के मुताबिक, सुरक्षा बलों की टीम इलाके में सर्चिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान जवानों को IED मिलने के बाद उसे निष्क्रिय करने की कार्रवाई शुरू की गई। IED डिफ्यूज करते वक्त अचानक तेज धमाका हो गया, जिसकी चपेट में चार जवान आ गए। घायल जवानों को तत्काल कोंटा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) लाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घायल जवान CRPF की 50वीं वाहिनी के बताए जा रहे हैं। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके में सतर्कता बढ़ा दी है और आसपास के क्षेत्र में सघन सर्चिंग की जा रही है। गंभीर रूप से घायल जवानों को आवश्यकतानुसार उच्च चिकित्सा संस्थान रेफर करने की तैयारी की जा रही है। वर्तमान में सभी जवानों की स्थिति नियंत्रण में है।

नाबालिग ने ऑडी से तीन गाड़ियों को मारी टक्कर, एक की मौत

नई दिल्ली: राजधानी दिल्ली के दक्षिण-पश्चिम जिले के किशनगढ़ इलाके से एक दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। यहां एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़के ने अपने दोस्त के जन्मदिन की पार्टी के लिए किराए पर ली लग्जरी ऑडी कार से लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए तीन वाहनों को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण दुर्घटना में सड़क पार कर रहे एक 45 वर्षीय पैदल यात्री की असमय मौत हो गई। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी किशोर ने एक ऑनलाइन ऐप/प्लेटफॉर्म के माध्यम से 16,000 रुपये प्रति रात के भारी-भरकम किराए पर यह ऑडी कार बुक की थी। वह अपने दोस्तों के साथ जश्न मनाने की तैयारी में था। यह घटना 4 अक्टूबर की तड़के लगभग 2:30 बजे किशनगढ़ लाल बत्ती के पास स्थित सीएनजी पंप के करीब हुई। प्रत्यक्षदर्शियों और सूत्रों के मुताबिक, नाबालिग काफी तेज रफ्तार और लापरवाही से कार चला रहा था। अनियंत्रित ऑडी कार ने वहां खड़ी और गुजर रही तीन गाड़ियों को एक के बाद एक जोरदार टक्कर मार दी। हादसे की चपेट में आने से किशनगढ़ निवासी उमाशंकर (45) गंभीर रूप से घायल हो गए।

नहीं रहे बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार नाना पाटेकर

75 की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा, सदमे में इंडस्ट्री

गोवा (एजेंसी)। दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर अब इस दुनिया में नहीं रहे। उन्होंने 75 साल की उम्र में इस दुनिया को अलविदा कह दिया। डोना पाउला के एक निजी अस्पताल में दिग्गज अभिनेता का निधन हो गया। इस खबर से पूरे मनोरंजन जगत में शोक की लहर है। वे गोवा के डोना पाउला स्थित अपने घर पर बेहोश पाए गए और उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि नाना पाटेकर को गंभीर कार्डियक अरेस्ट आया था, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल पहुंचाए जाने के बाद डॉक्टरों ने करीब 45 मिनट तक उन्हें होश में लाने की कोशिश की, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

नाना पाटेकर ने हिंदी सिनेमा के सबसे बेहतरीन अभिनेताओं में गिने जाते हैं। उन्होंने 1978 में अपना एक्टिंग डेब्यू किया था और उनकी पहली फिल्म 'गमन' थी। लेकिन, 1986 में रिलीज हुई 'अंकुश' ने उन्हें पहचान दिलाई। उन्होंने अपने करियर में हिंदी के साथ-साथ मराठी सिनेमा में भी काम किया। 'परिंदा', 'तिरंगा', 'क्रांतिवीर' और 'खामोशी' जैसी फिल्मों के जरिए उन्होंने दर्शकों के दिलों में जगह बनाई और अपने अभिनय का लोहा मनवाया। उन्होंने अपने करियर में सिर्फ संजीदा ही नहीं, कॉमिक और नकारात्मक किरदार भी निभाए। 'परिंदा' में एक गैंगस्टर के



किरदार ने उन्हें इंडस्ट्री में स्थापित किया और फिर 'प्रहार', 'तिरंगा' और 'क्रांतिवीर' जैसी फिल्मों में एक्शन अवतार दिखाया।

कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों और नेताओं ने शोक व्यक्त किया

दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह गोवा स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। 75 वर्षीय अभिनेता के निधन पर कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों और नेताओं ने शोक व्यक्त किया है। सभी ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान और शोकाकुल परिजनों व प्रशंसकों को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करें। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिखा, "प्रख्यात अभिनेता, रंगमंच के सशक्त कलाकार और संवेदनशील समाजसेवी 'पद्म श्री' नाना पाटेकर का निधन कला जगत की अपूरणीय क्षति है। उन्होंने अपने विलक्षण अभिनय से भारतीय सिनेमा को समृद्ध किया और अपने सामाजिक सरोकारों से समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी अभिव्यक्त किया। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान और शोकाकुल परिजनों व प्रशंसकों को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।" उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 'एक्स' पोस्ट में कहा कि प्रसिद्ध अभिनेता नाना पाटेकर के निधन का अत्यंत दुखद समाचार प्राप्त हुआ। उन्होंने अपने सशक्त अभिनय और प्रभावशाली संवाद से भारतीय सिनेमा में एक विशिष्ट पहचान बनाई। विभिन्न भूमिकाओं में उनके जीवंत अभिनय ने हिंदी सिनेमा को समृद्ध किया। उनका निधन फिल्म व कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।

मुख्यमंत्री ने जारी की महतारी वंदन योजना की 32वीं किस्त

मातृशक्ति के सम्मान और स्वावलंबन का मजबूत आधार बनी महतारी वंदन योजना : सीएम साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ की लाखों माताओं-बहनों के आर्थिक स्वावलंबन, आत्मसम्मान और आत्मविश्वास को मजबूत कर रही महतारी वंदन योजना ने आज एक और महत्वपूर्ण पड़ाव पूरा किया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने दुर्ग जिले में आयोजित कार्यक्रम में योजना की 32वीं किस्त जारी करते हुए प्रदेश की 67 लाख 38 हजार 217 पात्र महिलाओं के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से 632 करोड़ 40 लाख रुपये से अधिक की राशि अंतरित की। इसके साथ ही महतारी वंदन योजना के अंतर्गत माताओं-बहनों को अब तक दी गई आर्थिक सहायता की राशि 20708 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर कहा कि मातृशक्ति का सम्मान और उनका आर्थिक सशक्तीकरण हमारी सरकार के लिए केवल एक योजना या कार्यक्रम नहीं, बल्कि सुशासन की प्रमुख प्राथमिकता है। हमारा विश्वास है



कि जब परिवार की महिला आर्थिक रूप से सशक्त होती है, तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे परिवार पर पड़ता है। बच्चों की शिक्षा और पोषण से लेकर परिवार के स्वास्थ्य और भविष्य से जुड़े निर्णयों तक उसकी भागीदारी और मजबूत होती है। इसलिए महतारी वंदन योजना के माध्यम से सरकार माताओं-बहनों के हाथों में आर्थिक सामर्थ्य देकर उन्हें अपने निर्णय स्वयं लेने का आत्मविश्वास दे रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश में नारीशक्ति को विकास की धुरी बनाते हुए महिला सशक्तीकरण को नई दिशा दी है। उनके नेतृत्व में महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए अनेक ऐतिहासिक पहल हुई हैं। छत्तीसगढ़ सरकार भी इसी भावना के अनुरूप माताओं-बहनों के जीवन में स्थायी और सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना इसी संकल्प का सशक्त उदाहरण है। प्रतिमाह मिलने वाली एक हजार रुपये की राशि लाखों महिलाओं के लिए अपनी व्यक्तिगत और पारिवारिक आवश्यकताओं को पूरा करने का भरोसेमंद आर्थिक आधार बनी है। कोई बहन इस राशि का उपयोग बच्चों की पढ़ाई में कर रही है, कोई पोषण और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों में, तो कोई अपनी छोटी-छोटी बचत और आजीविका से जुड़ी गतिविधियों को आगे बढ़ाने में इसका उपयोग कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महतारी वंदन की राशि केवल बैंक खातों में पहुंचने वाली आर्थिक सहायता नहीं है। यह माताओं-बहनों के आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और स्वावलंबन को नई शक्ति देने वाली राशि है।

हमारी सरकार का प्रयास है कि प्रदेश की माताएं-बहनें न केवल आर्थिक रूप से मजबूत हों, बल्कि परिवार और समाज के निर्णयों में उनकी भागीदारी भी निरंतर बढ़े।

प्रदेश में 1 मार्च 2024 से प्रभावी महतारी वंदन योजना के अंतर्गत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खातों में प्रदान की जाती है। योजना की शुरुआत से सितंबर 2026 तक 31 किस्तों में महिलाओं को 20075 करोड़ 76 लाख रुपये की सहायता प्रदान की जा चुकी थी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का दो दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरा

तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव ने ली हाईलेवल बैठक



रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में भारत के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगामी दिनों में प्रस्तावित छत्तीसगढ़ प्रवास की तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। राष्ट्रपति का 22 से 23 अक्टूबर 2026 तक रायपुर और जगदलपुर (बस्तर) प्रवास प्रस्तावित है।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को राष्ट्रपति के प्रवास के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, प्रोटोकॉल, आवास, स्वास्थ्य सुविधा और परिवहन के सभी इंतजाम निर्धारित मापदंडों के अनुरूप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। राष्ट्रपति के संपूर्ण प्रवास कार्यक्रमों के लिए संस्कृति विभाग को नोडल विभाग बनाया गया है।

प्रवास के दौरान राष्ट्रपति महोदय के आयोजित होने वाले प्रमुख कार्यक्रम में लोकभवन, रायपुर एवं बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम, बूढ़ापारा (रायपुर) में कार्यक्रमों के आयोजन में शामिल होना प्रस्तावित है। इसी तरह से लाल बाग ग्राउंड, जगदलपुर (बस्तर) में मुरिया दरबार और बस्तर दशहरा के पावन अवसर पर विशाल सार्वजनिक कार्यक्रम का आयोजन में शामिल होना प्रस्तावित है।

मुख्य सचिव ने रायपुर एवं बस्तर संभाग के कलेक्टरों का राष्ट्रपति के प्रवास के दौरान सभी जरूरी व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट (रायपुर) तथा माँ दंतेश्वरी एयरपोर्ट (जगदलपुर) से लेकर कार्यक्रम स्थलों तक सुरक्षा, कारकेड और सड़क मार्ग से यात्रा की सुगम व्यवस्था का दायित्व संबंधित जिला कलेक्टरों, पुलिस आयुक्त तथा पुलिस अधीक्षकों को सौंपा गया है। राष्ट्रपति महोदय एवं उनके साथ आने वाले अतिथियों के ठहरने की व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्था के संबंध में विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा निर्धारित गाइडलाइन्स के अनुसार सर्व सुविधायुक्त चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में कार्यक्रम स्थलों पर मानक अनुसार डायस (मंच), बैकड्रॉप, निर्बाध विद्युत आपूर्ति (वैकल्पिक व्यवस्था सहित), साउंड-लाइट सिस्टम तथा ग्रीन रूम में कंप्यूटर, प्रिंटर व इंटरनेट की जरूरी तैयारियों के लिए अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए गए।

नक्सली पर्चे से दहशत फैलाने की साजिश, 2 गिरफ्तार



बीजापुर ■ एजेंसी

जिले के आवापल्ली थाना क्षेत्र के ग्राम मुरदंडा में नक्सली पर्चे फेंककर दहशत फैलाने के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने दो आरोपियों संदीप मड़कम और नागेश बोड़के को गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर माओवादियों के नाम पर धमकी भरे पर्चे तैयार कर ग्रामीणों में भय का माहौल बनाने का आरोप है। जानकारी के मुताबिक, 7 अक्टूबर को ग्राम मुरदंडा में 7 धमकी भरे पर्चे मिले थे। इन पर्चों के जरिए सरपंच नारायण काका, उपसरपंच नारायण कचलम और ग्रामीण जयमूर्ति चापड़ी को धमकी दी गई थी। घटना की सूचना मिलने के बाद आवापल्ली पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। पुलिस की जांच में सामने आया कि गांव में स्कूल भवन निर्माण के लिए जमीन से अवैध कब्जा हटाया गया था। इसी कार्रवाई से जुड़े विवाद के बाद आरोपियों ने माओवादियों की आड़ लेकर धमकी भरे पर्चे तैयार किए और गांव में फेंके, ताकि लोगों में दहशत पैदा की जा सके। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर संदीप मड़कम और नागेश बोड़के को गिरफ्तार किया।

छात्र से मारपीट, सिर-घुटने में आई चोट, प्राचार्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज

सक्ती (एजेंसी)। जिले के सरस्वती शिशु मंदिर चंद्रपुर के कक्षा 9वीं के छात्र से मारपीट के आरोप में प्राचार्य जगन्नाथ नायक के खिलाफ चंद्रपुर पुलिस ने FIR दर्ज किया है। छात्र के परिजनों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 296, 351(3), 115(2) तथा किशोर न्याय (बच्चों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम की धारा 75 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। शिकायत में छात्र के सिर, पीठ और बाएं घुटने में चोट लगने की बात कही गई है।

शिकायत के अनुसार, ग्राम



तिलाईपाली निवासी शशिभूषण गुप्ता का पुत्र क्षत्रपति गुप्ता सरस्वती शिशु मंदिर चंद्रपुर में कक्षा 9वीं का छात्र है और विद्यालय के छात्रावास में रहता है। आरोप है कि 30 सितंबर को दोपहर करीब 12 बजे छात्रावास के बाथरूम के पास वह अपने सहपाठी से बातचीत कर रहा था। इसी दौरान प्राचार्य जगन्नाथ नायक वहां पहुंचे और छात्र के साथ कथित तौर पर गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। प्राचार्य के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग शिकायत में छात्र के परिजनों ने आरोप लगाया है कि प्राचार्य ने छात्र को हाथ-मुक्के से मारने के साथ बाल पकड़कर जमीन पर पटक दिया। घटना में छात्र के सिर, पीठ और बाएं पैर के घुटने में चोटें आई है। परिजनों के अनुसार, सूचना मिलने के बाद वे रात करीब 10 बजे विद्यालय पहुंचे और इसके बाद चंद्रपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी प्राचार्य के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में पुलिस द्वारा संबंधित पक्षों के बयान लिए जाने और घटना से जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है।

प्रियंका ने महिला पुलिसकर्मी को कोहनी मारी, राहुल ने गलत तरीके से छुआ

बीजेपी के आरोप के बाद दोनों पर FIR

नई दिल्ली ■ एजेंसी

बुधवार को जंतर मंतर के बाहर प्रदर्शन के दौरान पुलिस के साथ इंडिया ब्लॉक के नेताओं की धक्का मुक्की हुई थी इसमें कई पुलिस वाले घायल हुए थे। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने आज कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के खिलाफ FIR दर्ज कर ली है। FIR में कई कांग्रेस नेताओं के भी नाम है। कल प्रदर्शन के साथ पुलिस के साथ धक्का मुक्की के कई वीडियो वायरल हुए हैं।

दिल्ली पुलिस ने एक वीडियो जारी किया है जिसमें घायल पुलिसकर्मी दिखाई दे रहे हैं। इस बीच बीजेपी ने दो वीडियो जारी किए हैं। ये वीडियो राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के हैं। एक वीडियो में प्रियंका



एक महिला पुलिसकर्मी को कोहनी मारती नजर आ रही हैं तो वहीं दूसरे वीडियो में राहुल गांधी एक महिला पुलिसकर्मी को धक्का देते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह मामला बुधवार को यहां कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान हुई घटनाओं के सिलसिले में दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपों और इसमें शामिल लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि प्रदर्शन के दौरान कुल 91 लोगों को हिरासत में लिया गया था, जिनमें कई सांसद और नेता शामिल थे। इंडी अलायंस के नेताओं के विरोध प्रदर्शन का राहुल गांधी ने नेतृत्व किया था जिसके बाद राहुल गांधी समेत कई सांसदों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया था। जनपथ स्थित एक रेस्टोरेंट में लंच बाद जब विपक्षी नेता बसों में सवार होकर जंतर-मंतर पर अचानक धरने के लिए जा रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें रास्ते में रोक दिया।

हूती हमले की खबर के बाद रियाद जा रही एयर इंडिया फ्लाइट बीच रास्ते लौटी

एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने 10 अक्टूबर तक रियाद उड़ानें रोकीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली से सऊदी अरब की राजधानी रियाद जा रही एयर इंडिया की एक फ्लाइट को हूतियों के हमले की खबर के बाद बीच रास्ते से लौटना पड़ा। एयर इंडिया के अधिकारियों ने बताया कि एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने रियाद से आने-जाने वाली अपनी उड़ानें 10 अक्टूबर 2026 तक रोक दी हैं। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है, जब यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद में किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर नए मिसाइल हमले का दावा किया है। बता दें कि इंडिगो और अकासा एयर ने भी रियाद के लिए अपनी फ्लाइट कैंसिल कर दी हैं।

रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने 8 अक्टूबर को यात्रियों के लिए ट्रैवल अलर्ट जारी किया। एयरपोर्ट ने यात्रियों से कहा कि वे एयरपोर्ट पहुंचने से पहले अपनी एयरलाइन से सीधे संपर्क कर उड़ान की स्थिति की पुष्टि करें।

5 कुत्ते, 12 गाय और 2 बैल, ऐसा था नाना पाटेकर का 27 एकड़ का फार्महाउस, गांव में जीते थे सादगी भरी जिंदगी

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का 75 साल की उम्र में निधन हो गया। दशकों तक सिल्वर स्क्रीन पर अपनी दमदार अदाकारी से दर्शकों के दिलों पर राज करने वाले नाना पाटेकर पर्दे के बाहर बेहद सादगी भरी जिंदगी जीने के लिए भी जाने जाते थे। जहां फिल्मी दुनिया में बड़े सितारों के आलीशान घर और लग्जरी लाइफस्टाइल अक्सर चर्चा में रहती है, वहीं नाना को शोर-शराबे और दिखावे से हमेशा दूरी पसंद थी। मुंबई में रहने के बावजूद उनका मन शहर की भागदौड़ में कम और गांव की शांत जिंदगी में ज्यादा लगता था। पुणे के पास खडकवासला में उनका करीब 27 एकड़ में फैला फार्महाउस था, जहां वह खेती करते और प्रकृति के बीच समय बिताते थे।

मुंबई में साधारण घर गांव में सुकून

नाना पाटेकर का जीवन उनकी फिल्मों की तरह ही अलग अंदाज वाला रहा। इतने बड़े अभिनेता होने के बावजूद उन्होंने मुंबई में भी बेहद साधारण तरीके से रहना पसंद किया। वह अंधेरी के लोखंडवाला इलाके में समर्थ नगर में स्थित एक साधारण वन बीएचके फ्लैट में रहते थे। उनकी जीवनशैली में दिखावे की जगह जरूरतों को प्राथमिकता मिलती थी। इसके अलावा पुणे के पास खडकवासला में उनका फार्महाउस था। महाराष्ट्र के रत्नागिरी में उनका पुश्तैनी गांव भी था, जबकि गोवा के डोना



पाउला में भी उनका एक घर था। हालांकि इन तमाम जगहों के बीच अगर किसी जगह से उनका सबसे गहरा जुड़ाव था तो वह गांव और खेती थी। फार्महाउस पर वह सिर्फ छुट्टियां बिताने नहीं जाते थे, बल्कि खेती को अपनी जिंदगी का हिस्सा मानते थे।

27 एकड़ के फार्महाउस में करते थे खेती

खडकवासला के पास स्थित नाना पाटेकर का फार्महाउस करीब 27 एकड़ में फैला हुआ बताया जाता है। यहां की खूबसूरती और सादगी उनके व्यक्तित्व से मेल खाती थी। फार्महाउस में लकड़ी का फर्नीचर, मिट्टी से जुड़ी टेराकोटा फ्लोरिंग और लकड़ी की बीम वाली छत जैसे तत्व देखने को मिलते थे। चारों तरफ हरियाली और प्राकृतिक माहौल इस जगह को मुंबई की चकाचौंध से बिल्कुल अलग बनाता था। नाना का खेती से लगाव केवल शौक तक सीमित नहीं था। वह अपने खेतों में चावल, गेहूं, बाजरा, प्याज और लहसुन जैसी फसलें उगाते थे। उनके लिए मिट्टी से जुड़ना किसी स्टारडम से कम नहीं था। खेती उन्हें एक ऐसा जीवन देती थी, जहां वह कैमरों और फिल्मी दुनिया की व्यस्तता से दूर खुद के साथ वक्त बिता सकते थे।

लॉकडाउन में फार्महाउस बना ठिकाना

कोरोना महामारी के दौरान लगे लॉकडाउन में भी नाना पाटेकर ने अपने फार्महाउस पर काफी समय बिताया था। एक पुराने इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि उस दौरान उनके आसपास कई जानवर भी थे। उनके फार्महाउस में पांच कुत्ते, 12 गाय और दो बैल थे। जानवरों और खेती के बीच बिताया गया यह समय उनके लिए किसी छुट्टी से ज्यादा अपनी पसंद की जिंदगी जीने जैसा था।

उनके फार्महाउस में सात कमरे और एक बड़ा हॉल भी था। लेकिन इन सुविधाओं के बावजूद यह जगह किसी आलीशान सेलिब्रिटी बंगले जैसी नहीं थी।

'बहुत याद आएंगे', नाना पाटेकर के निधन पर मनीषा कोइराला का भावुक पोस्ट, कभी दोनों के बीच था गहरा रिश्ता

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन से हिंदी सिनेमा ने एक बेहद प्रतिभाशाली और प्रभावशाली कलाकार खो दिया है। 75 साल की उम्र में नाना ने दुनिया को अलविदा कह दिया। उनके निधन के बाद फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कलाकार उन्हें याद कर रहे हैं। इसी बीच अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने भी नाना पाटेकर को याद करते हुए सोशल मीडिया पर एक भावुक श्रद्धांजलि दी। खास बात यह रही कि मनीषा के संदेश में उन पुरानी चर्चाओं का कोई जिक्र नहीं था, जो कभी दोनों के नाम को लेकर बॉलीवुड के गलियारों में खूब सुर्खियां बटोरती थीं। उन्होंने अपने संदेश में केवल नाना के कलाकार के रूप में योगदान और उनकी प्रतिभा को याद किया। नाना पाटेकर का निधन गोवा स्थित उनके घर पर हुआ। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया था। डॉक्टरों ने काफी देर तक उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन करीब 45 मिनट के प्रयास के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। सुबह करीब 5:20 बजे उनके निधन की पुष्टि हुई। उनके जाने की खबर ने फिल्म इंडस्ट्री और उनके प्रशंसकों को गहरा सदमा दिया।



मनीषा ने नाना के लिए क्या लिखा?

नाना के निधन के बाद मनीषा कोइराला ने इंस्टाग्राम पर उन्हें याद किया। अभिनेत्री ने अपने पोस्ट में नाना को भारतीय सिनेमा का महान कलाकार बताते हुए उनके अभिनय कौशल की तारीफ की। उन्होंने लिखा कि एक महान अभिनेता, शानदार व्यक्तित्व और अभिनय कला के सच्चे दिग्गज के निधन से वह बेहद दुखी हैं। मनीषा ने आगे नाना के सिनेमा में योगदान और अपने काम के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को याद किया। उन्होंने कहा कि फिल्मों में नाना का योगदान और अभिनय के प्रति उनका समर्पण हमेशा याद रखा जाएगा। अपने संदेश के अंत में मनीषा ने उनकी आत्मा की शांति की कामना करते हुए 'ओम शांति' लिखा। मनीषा का यह संदेश छोटा जरूर था, लेकिन इसके पीछे दोनों कलाकारों के बीच जुड़ा एक लंबा और चर्चित इतिहास रहा है। 1990 के दशक में नाना और मनीषा ने कुछ ऐसी फिल्मों में साथ काम किया, जो दोनों के करियर की महत्वपूर्ण फिल्मों में गिनी जाती हैं। पर्दे पर उनकी केमिस्ट्री और फिल्मों में उनके अलग-अलग किरदारों के साथ-साथ ऑफ स्क्रीन उनकी कथित नजदीकियों की खबरों ने भी खूब सुर्खियां बटोरी थीं।

'अग्नि साक्षी' से शुरू हुआ था साथ

नाना पाटेकर और मनीषा कोइराला ने पहली बार फिल्म 'अग्नि साक्षी' में साथ काम किया था। पार्थो घोष के निर्देशन में बनी इस फिल्म में मनीषा ने शिवांगी का किरदार निभाया था, जबकि जैकी श्रॉफ सूरज और नाना पाटेकर विश्वनाथ की भूमिका में थे। फिल्म की कहानी एक ऐसी महिला के इर्द-गिर्द घूमती थी, जिसका अतीत अचानक उसकी नई जिंदगी के सामने आकर खड़ा हो जाता है। नाना ने फिल्म में एक ऐसे व्यक्ति का किरदार निभाया था, जो खुद को शिवांगी का लापता पति बताता है। उनका किरदार सामान्य खलनायक जैसा नहीं था। उसके जुनूनी व्यवहार और खौफनाक मौजूदगी ने फिल्म को एक अलग स्तर का तनाव दिया था। वहीं मनीषा का किरदार अपने अतीत और वर्तमान के बीच फंसी हुई महिला का था। फिल्म में दोनों कलाकारों के बीच के दृश्यों को दर्शकों ने काफी पसंद किया। इसी फिल्म के बाद दोनों के बीच ऑफ स्क्रीन रिश्ते को लेकर भी चर्चाओं का दौर शुरू हुआ।

स्क्रीनराइटर ने बताई थी सेट की कहानी

समय बीतने के बाद फिल्म के लेखक रणबीर पुष्प ने भी नाना और मनीषा के साथ काम करने के अनुभव को लेकर बात की थी। उनके मुताबिक दोनों कलाकार एक-दूसरे को अभिनय के स्तर पर अच्छी तरह समझते थे। वे अपने दृश्यों को लेकर पहले चर्चा करते थे और उस आपसी समझ की झलक उनके अभिनय में भी दिखाई देती थी।

IIT एग्जाम क्रैक कर छोड़ी पढ़ाई, बनीं एक्ट्रेस और जीते 3 नेशनल अवॉर्ड, नाना पाटेकर की पत्नी की अनसुनी कहानी



मुंबई (एजेंसी)। भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर अब हमारे बीच नहीं हैं। 8 अक्टूबर 2026 को 75 साल की उम्र में गोवा में कार्डियक अरेस्ट के चलते उनका निधन हो गया। करीब पांच दशक लंबे करियर में नाना ने अपनी दमदार अदाकारी से हिंदी और मराठी सिनेमा में खास मुकाम हासिल किया। उनके निधन के बाद एक बार फिर उनकी निजी जिंदगी और परिवार से जुड़ी बातें चर्चा में हैं। नाना पाटेकर की पत्नी नीलकांती पाटेकर भी खुद एक प्रतिभाशाली अभिनेत्री रही हैं। उन्होंने मराठी रंगमंच और सिनेमा में अपनी अलग पहचान बनाई। खास बात यह है कि पढ़ाई में अव्वल रहीं नीलकांती ने आईआईटी की प्रवेश परीक्षा तक पास कर ली थी, लेकिन इंजीनियरिंग की राह छोड़कर उन्होंने अभिनय को अपना करियर बनाया। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता की पत्नी होने के बावजूद नीलकांती की अपनी उपलब्धियों की लंबी फेहरिस्त है। अब नाना के निधन के बाद उनकी जिंदगी और करियर से जुड़े ये पहलू एक बार फिर लोगों का ध्यान खींच रहे हैं।

नीलकांती पाटेकर का जन्म महाराष्ट्र के पुणे में हुआ था। उनके पिता केंद्रीय उत्पाद शुल्क विभाग में कार्यरत थे। नौकरी की वजह से परिवार को अलग-अलग शहरों में रहना पड़ा और नीलकांती का बचपन भी कई जगहों के अनुभवों के बीच बीता। अलग-अलग सामाजिक और सांस्कृतिक माहौल को करीब से देखने का असर उनके व्यक्तित्व पर भी पड़ा। पढ़ाई के मामले में नीलकांती काफी मेधावी थीं। उन्हें विज्ञान में खास दिलचस्पी थी और उन्होंने फिजिक्स में ग्रेजुएशन किया। पिता की इच्छा पर उन्होंने आईआईटी की प्रवेश परीक्षा भी दी और उसमें सफल रहीं। हालांकि जिंदगी ने उनके लिए कुछ और तय कर रखा था। इंजीनियरिंग की दिशा में आगे बढ़ने के बजाय नीलकांती ने उस रास्ते को छोड़ दिया, क्योंकि उनका मन अभिनय और रंगमंच में ज्यादा रमता था। उन्होंने पढ़ाई की सुरक्षित राह के बजाय थिएटर को चुना और यहीं से उनके अभिनय करियर की शुरुआत हुई।

मराठी थिएटर में नीलकांती ने काफी सक्रियता से काम किया। मंच पर उनके अभिनय में सहजता और भावनात्मक गहराई नजर आती थी। उनकी प्रतिभा को शुरुआती दौर में ही पहचान मिल गई थी। साल 1973 में महाराष्ट्र राज्य नाटक प्रतियोगिता में उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का स्वर्ण पदक मिला।

सेहत

महिलाओं को पूरे शरीर में होता है पुरुषों से ज्यादा दर्द, अध्ययन में हुआ खुलासा

दर्द हर किसी को हो सकता है और उसकी तीव्रता लोगों में अलग-अलग होती है। हालांकि, अब एक अध्ययन से सामने आया है कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं को पूरे शरीर में ज्यादा दर्द होता है। इस अध्ययन के दौरान हर तरह के दर्द को ध्यान में रखा गया था। इसने यह चिंता बढ़ा दी है कि महिलाओं को उनके दर्द का निवारण करने के लिए दवाइयों की सही डोज भी दी जाती है या नहीं।

लाखों लोगों ने लिया था इस अध्ययन में हिस्सा

स्वास्थ्य के क्षेत्र में खासा महत्व रखने वाले दुनिया भर के शोधकर्ताओं ने दर्द से जुड़ी महामारी विज्ञान के क्षेत्र में अब तक के सबसे बड़े अध्ययन को पूरा किया है।

इसके लिए 1990 से 2025 के बीच 118 देशों के 60 लाख से ज्यादा लोगों से



डेटा इक_ा किया गया, जिसमें 5 साल से लेकर 100 साल से ज्यादा उम्र के लोग शामिल थे।

11 अंगों में महिलाओं को होता है पुरुषों से ज्यादा दर्द

अध्ययन में पाया गया कि शरीर के 11 हिस्सों में महिलाओं द्वारा बताए गए दर्द का स्तर पुरुषों की तुलना में ज्यादा था। इनमें सिर, चेहरा, गर्दन या कंधा, पैर या टखना, हाथ या कलाई, कोहनी, छाती, पीठ, पेट, कूल्हा और घुटने शामिल थे।

यह बात खास तौर पर सिरदर्द, चेहरे और पेट के दर्द के मामले में सच साबित हुई। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इन अंगों के दर्द से महिलाओं को ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ती है।

उम्र का भी होता है दर्द से संबंध

दोनों लिंग में 55 साल की उम्र से पहले दर्द में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह 75 साल या उससे ज्यादा की उम्र में अपने चरम पर पहुंच गई थी।

सामने आया कि जैसे-जैसे लोगों की उम्र बढ़ती गई, वैसे-वैसे पीठ, कूल्हे और घुटने के दर्द में भी इजाफा होता गया। अध्ययन के लेखकों ने कहा, इससे पता चलता है कि जीवन भर के दर्द का एक बड़ा हिस्सा कामकाजी उम्र के दौरान पैदा होता है।

क्या कहते हैं आंकड़े?

अध्ययन के आंकड़े बताते हैं कि 40 प्रतिशत प्रतिभागियों ने पीठ दर्द की शिकायत की। वहीं, चेहरे का दर्द सबसे कम, यानी 2 प्रतिशत मामलों में देखा गया।

सबसे कम मानव विकास सूचकांक वाले इलाकों वाले लोग बुढ़ापे में सबसे ज्यादा दर्द से जूझते दिखाई दिए। उनमें बुढ़ापे में पीठ के निचले हिस्से में दर्द की दर दोगुनी थी। तेज दर्द का स्तर लगभग 50 तक पहुंचा, जबकि पूरे शरीर में होने वाले दर्द का स्तर लगभग 70 तक रहा।

क्यों बढ़ता है दर्द?

अध्ययन के मुताबिक, दर्द की 18.3 प्रतिशत समस्या धूम्रपान, मोटापे और घर की कम आय की वजह से थी। महिलाओं में 55 की उम्र से पहले, यानी काम, देखभाल और बच्चे पैदा करने के सालों के दौरान दर्द सबसे तेजी से बढ़ता है।

सर्दियों में गर्म पानी से नहाना हो सकता है नुकसानदायक

अगर आप सर्दियों में गर्म पानी से नहा रहे हैं तो कुछ चीजों का ध्यान रखना काफी जरूरी है। अगर आपने ख्याल नहीं रखा तो सर्दी में गर्म पानी से नहाने का नुकसान ऐसा मिलेगा कि आप सोच भी नहीं पाएंगे।



एक्सपर्ट्स के अनुसार, अगर सर्दी के मौसम में आप ज्यादा देर तक गर्म पानी से नहाते हैं तो सेहत के लिए बिल्कुल अच्छा नहीं रहता है. एक्सपर्ट्स के अनुसार, ज्यादा गर्म पानी से लंबे समय तक नहाने से शरीर और दिमाग दोनों पर बुरा असर पड़ता है.

एक्सपर्ट्स के अनुसार, गर्म पानी में केराटिन स्किन सेल्स को डैमेज करता है, जिस वजह से त्वचा में खुजली, सूखापन और रैशेस की समस्य पैदा हो जाती है. इसलिए सलाह दी जाती है कि हमेशा सर्दियों में हल्के गर्म पानी से ही नहाना चाहिए.

एक्सपर्ट्स की मानें तो अगर सर्दियों में आप तेज गर्म पानी से नहाते हैं तो यह शरीर में सुस्ती का कारण भी बन सकता है. दरअसल, गर्म पानी से नहाकर बॉडी रिलैक्स मोड में आ जाती है और इंसान को नींद आती है. इससे आपकी दिनभर की ऊर्जा पर भी असर देखने को मिल सकता है. आज सुस्त महसूस कर सकते हैं. वहीं एक्सपर्ट्स के अनुसार, गर्म पानी से नहाने से आपको बालों को भी नुकसान पहुंचता है. तेज गर्म पानी आपके बालों को डैमेज कर सकता है. दरअसल, गर्म पानी से बालों में नमी कम हो जाती है, जिस वजह से वह रूखे और बेजान होने लगते हैं.

सर्दियों में शरीर को गर्म रखने के लिए ज्यादा भी कपड़े नहीं पहनने चाहिए. ऐसा करने से आपका शरीर ओवरहीटिंग का शिकार भी हो सकता है. दरअसल, जब इंसान को ठंड लगती है तो उसका इम्यून सिस्टम व्हाइट ब्लड सेल्स बनाता है, जो इंफेक्शन और बीमारियों से बचाव में मददगार है. ऐसे में बॉडी ओवरहीट होने पर इम्यून अपना काम ठीक से नहीं कर पाता है.

इन तरीकों से मीठा खाएं, नहीं बढ़ेगा ज्यादा वजन



ज्यादातर लोगों को मीठा खाना पसंद होता है, लेकिन जब मीठे का सेवन बढ़ जाता है तो इससे वजन बढ़ने की संभावना बढ़ जाती है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि मीठे से पूरी तरह परहेज किया जाए। अगर आप अपनी पसंदीदा मिठाइयों का स्वाद बिना ज्यादा वजन बढ़ाए लेना चाहते हैं तो आज हम आपको इसके लिए कुछ तरीके बताने जा रहे हैं। इन तरीकों को अपनाकर आप मीठा खाने का पूरा मजा ले पाएंगे।

घर पर बनाएं मिठाई

बाजार में मिलने वाली ज्यादातर मिठाइयों में नकली रंग, फ्लेवर और प्रिजरवेटिव होते हैं, जो सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं।

इसके अलावा इनमें चीनी की मात्रा भी ज्यादा होती है, जिससे वजन बढ़ता है। ऐसे में बेहतर है कि बाजार की बजाय घर पर बनी मिठाइयों का सेवन करें। घर पर आप कम चीनी या फिर चीनी रहित चीजों से मिठाई बना सकते हैं। इससे आप स्वाद और सेहत दोनों का ख्याल रख सकते हैं।

मेवे और सूखे मेवों का करें इस्तेमाल

अगर आप घर पर मिठाई बनाते हैं तो उसमें चीनी की जगह मेवे और सूखे मेवे का इस्तेमाल करें। उदाहरण के लिए आप गुड़ का इस्तेमाल कर सकते हैं या फिर गुड़ की चाशनी बनाकर उसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

इसके अलावा आप सूखे मेवों का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। सूखे मेवे प्राकृतिक मिठास से युक्त होते हैं और इनमें मौजूद फाइबर और प्रोटीन पेट को लंबे समय तक भरा हुआ रख सकते हैं।

फल भी है मीठे का अच्छा विकल्प

फल भी मीठा खाने की इच्छा को दूर करने में मदद कर सकते हैं।

हालांकि, कई लोग फलों को सलाद के तौर पर खाना पसंद करते हैं, लेकिन फलों को सलाद में मिलाने से उनका स्वाद कम हो जाता है। ऐसे में आप फलों की खीर, हलवा और कस्टर्ड आदि बनाकर खा सकते हैं।

यह तरीके आपके मीठे की चाहत को भी पूरा करेंगे और सेहत को भी नुकसान नहीं पहुंचाएंगे।

डार्क चॉकलेट भी है अच्छा विकल्प

अगर आप चॉकलेट के शौकीन हैं और उसकी वजह से आपका वजन बढ़ रहा है तो डार्क चॉकलेट का सेवन करना शुरू कर दें।

डार्क चॉकलेट में शक्कर की मात्रा कम होती है और यह एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होती है।

इसके अलावा इसमें मौजूद तत्व शरीर में चर्बी के अवशोषण को कम कर सकते हैं। यह मीठे की चाहत को पूरा करने का एक अच्छा तरीका हो सकता है। **(एजेंसी)।**

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

शुक्रवार 09 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

राज्यपाल रमेन डेका आज बिलासपुर आएंगे

बिलासपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका शुक्रवार, 9 अक्टूबर को बिलासपुर प्रवास पर आएंगे। वे दोपहर 12 बजे सरकंडा स्थित खेल परिसर में आयोजित 26वीं राज्य स्तरीय सब-जूनियर एवं कैडेट बालक-बालिका जूडो प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे। निर्धारित दौरा कार्यक्रम के अनुसार राज्यपाल श्री डेका सुबह 9.30 बजे लोक भवन, रायपुर से सड़क मार्ग द्वारा प्रस्थान कर सुबह 11.30 बजे बिलासपुर के सर्किट हाउस पहुंचेंगे। वे सुबह 11.50 बजे सर्किट हाउस से सरकंडा स्थित खेल परिसर के लिए रवाना होंगे और दोपहर 12 बजे जूडो प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे। राज्यपाल दोपहर 1 बजे खेल परिसर से प्रस्थान कर दोपहर 1.10 बजे सर्किट हाउस पहुंचेंगे। भोजन के पश्चात वे दोपहर 2 बजे सड़क मार्ग से रायपुर के लिए रवाना होंगे।

संविदा पदों पर भर्ती हेतु वाक-इन-इंटरव्यू 9 को

बिलासपुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं जिला स्वास्थ्य समिति अंतर्गत फि जि यो थे रे पि स्ट, साइकोलॉजिस्ट-क्लिनिकल-एनएमएचपी, रेडियोग्राफर, एक्सरे टेक्नीशियन एवं डेंटिस्ट के रिक्त संविदा पदों पर भर्ती के लिए वाक-इन-इंटरव्यू 9 अक्टूबर 2026 को कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में सवेरे 10.30 बजे से रखा गया है। आवेदन प्रारूप एवं नियम व शर्ते जिले की वेबसाईट http://bilaspur.gov.in में उपलब्ध है।

कम्प्यूटर प्रोग्रामर संविदा भर्ती : आवेदन 23 तक

बिलासपुर । विकसित भारत-जी राम जी योजनांतर्गत जिला स्तर पर कम्प्यूटर प्रोग्रामर के एक रिक्त संविदा पद पर भर्ती के लिए 23 अक्टूबर 2026 तक आवेदन मंगाये गये है। आवेदन निर्धारित प्रारूप में बंद लिफाफे में पंजीकृत डाक अथवा स्पीड पोस्ट के माध्यम से मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत बिलापुर, विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) के नाम से निर्धारित तिथि तक प्रेषित किये जा सकते है। आवेदन का प्रारूप एवं आवेदन से संबंधित अधिक जानकारी जिले की वेबसाईट www.bilaspur.gov.in पर उपलब्ध है।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने विशेष अभियान शुरू

बिलासपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूची में छूटे हुए पात्र नागरिकों एवं नए युवा मतदाताओं के पंजीयन के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत पहली बार मतदान के पात्र बने युवाओं तथा अब तक मतदाता सूची में नाम दर्ज नहीं करा सके नागरिकों के नाम जोड़े जाएंगे। यह कार्य बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) द्वारा घर-घर भ्रमण कर मतदाता सूची के निरंतर अद्यतनीकरण की प्रक्रिया के अंतर्गत किया जाएगा। नागरिकों की सक्रिय सहभागिता और सहयोग से यह सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी की कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे और सभी पात्र नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके।

शांति, सुरक्षा, विश्वास और विकास ने बस्तर में खोलीं नई संभावनाएं

बदलते बस्तर को देखकर बोले सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी - यह एक नए दौर का बस्तर

रायपुर ■ दैनन्दिनी

अविभाजित मध्यप्रदेश के समय प्रशासनिक सेवाओं में अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं दे चुके 11 सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारियों ने बस्तर के बदलते स्वरूप को करीब से देखा। बस्तर प्रवास के दौरान शांति, सुरक्षा, विश्वास और विकास की दिशा में हो रहे बदलावों से रूबरू होकर उन्होंने कहा कि बस्तर अब एक नए दौर में प्रवेश कर चुका है। यहां विकास की असीम संभावनाएं मौजूद हैं और आने वाले समय में बस्तर देश के अग्रणी संभागों में अपनी पहचान स्थापित करेगा। इन सेवानिवृत्त अधिकारियों में श्री बीएल कुरिल, श्रीमति रेणु तिवारी, श्री मनोहर दुबे, श्री सुरेन्द्र उपाध्याय, श्री एसएन रूपला, श्री भरत अग्रवाल, श्री टीसी महावर, श्री डीडी सिंह, श्रीमति जयश्री कियावत, श्रीमति सुनीता त्रिपाठी, श्री उल्हास तेलंग शामिल रहे।

सेवानिवृत्त अधिकारियों ने बस्तर की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध संस्कृति और यहां के जनजीवन को करीब से जाना-समझा। उन्होंने चित्रकोट जलप्रपात और तीरथगढ़ जलप्रपात सहित बस्तर के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण किया। प्रकृति की अनुपम छटा से अभिभूत अधिकारियों ने कहा कि बस्तर प्राकृतिक संपदा के साथ-साथ सांस्कृतिक और मानवीय विविधताओं से भी समृद्ध क्षेत्र है। यहां की लोक परंपराएं, कला-संस्कृति और विरासत इसकी विशिष्ट पहचान हैं।यह सब बस्तर में पर्यटन को बढ़ावा देने के



साथ ही पर्यटकों को आकर्षित करेगा।

सरल-सहज और मेहनतकश हैं बस्तर के लोग

बस्तर के ग्रामीण अंचलों और लोगों के जीवन को करीब से देखने के बाद सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारियों ने कहा कि यहां के लोग बेहद सीधे-सरल, सहज और मेहनती हैं। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपनी संस्कृति और परंपराओं को सहेजकर रखा है।

अधिकारियों ने कहा कि बस्तर की सबसे बड़ी ताकत यहां के लोग हैं, जिनकी मेहनत, सहजता और अपनी संस्कृति के प्रति गहरा जुड़ाव क्षेत्र के विकास को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मां दंतेश्वरी के दर्शन कर मांगा बस्तर की सुख-समृद्धि का आशीर्वाद

बस्तर प्रवास के दौरान सेवानिवृत्त अधिकारियों ने बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के दर्शन किए। उन्होंने मां दंतेश्वरी से बस्तर वासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि बस्तर की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान पूरे देश में विशिष्ट है, जिसे संरक्षित रखते हुए विकास की नई संभावनाओं को आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

अमर वाटिका में शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि

इन सेवानिवृत्त अधिकारियों ने जगदलपुर स्थित अमर वाटिका पहुंचकर कर्तव्यपथ पर अपने प्राण न्योछावर करने वाले शहीद जवानों को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि बस्तर में शांति और सुरक्षा स्थापित करने में सुरक्षा बलों के जवानों का त्याग और बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उनके बलिदान के कारण आज बस्तर विकास और विश्वास के नए रास्ते पर आगे बढ़ रहा है।

31 दिसम्बर तक बढ़ी मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना की अवधि

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड के राजनांदगांव क्षेत्र के अंतर्गत चार जिलों में मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना-2026 उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत लेकर आई है। इस योजना के तहत पुराने बिजली बिलों के बकाये से जूझ रहे 65 हजार से अधिक उपभोक्ताओं को लाभ मिला है। योजना के अंतर्गत अब तक मूल बकाया राशि एवं अधिभार (सरचार्ज) में कुल 19 करोड़ 46 लाख रुपये की छूट प्रदान की जा चुकी है। उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अब इस योजना की अवधि बढ़ाकर 31 दिसंबर 2026 कर दी गई है।

चार जिलों में व्यापक क्रियान्वयन

राजनांदगांव क्षेत्र के अंतर्गत राजनांदगांव, कबीरधाम, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई तथा मोहला- मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिलों में इस योजना का बड़े पैमाने पर क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसके माध्यम से बीपीएल, घरेलू एवं कृषि श्रेणी के पात्र उपभोक्ताओं को पुराने बकाये के निपटारे पर निर्धारित प्रावधानों के अनुसार छूट दी जा रही है। अब तक योजना के तहत 65,062 उपभोक्ता लाभान्वित हो चुके हैं।

लाभान्वित उपभोक्ताओं की कुल संख्या

उपभोक्ता अपने नजदीकी वितरण केंद्र या जोन कार्यालय में पहुंचकर बकाया राशि का निपटारा कर सकते हैं। बकाया बिजली बिलों का निपटारा कर उपभोक्ता न केवल स्वयं को आर्थिक बोझ से मुक्त कर सकते हैं, बल्कि भविष्य में निर्बाध बिजली सेवा भी सुनिश्चित कर सकते हैं। समय पर बिल का भुगतान और बकाया का निपटारा कर उपभोक्ता बिजली कंपनी के सुदृढ़ीकरण में अपना बहुमूल्य सहयोग प्रदान कर एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभा सकते हैं। योजना का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और अन्नदाताओं को संबल प्रदान करना है, ताकि वे बिना किसी पुराने बोझ के बिजली सेवाओं का लाभ उठा सकें। प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना से 31,392 निष्क्रिय उपभोक्ता तथा 33,669 पात्र सक्रिय उपभोक्ता शामिल हैं। लाभान्वित उपभोक्ताओं द्वारा अब तक लगभग 5 करोड़ 89 लाख रुपये की बकाया राशि बिजली कंपनी में जमा कराई जा चुकी है, जिससे कंपनी के राजस्व संग्रहण को भी गति मिली है।

विभिन्न संभागों में सक्रिय भागीदारी

राजनांदगांव क्षेत्र के सात विद्युत संभागों में उपभोक्ताओं ने इस योजना में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है।

विष्णु के सुशासन में जनस्वास्थ्य की सुरक्षा सर्वोपरि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर प्रशासन सख्त

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार आम नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा तथा शुद्ध, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की सघन निगरानी की जा रही है। खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण, खाद्य सामग्री के नमूनों का संकलन और प्रयोगशाला जांच के आधार पर आवश्यक कार्रवाई के माध्यम से उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य हितों की रक्षा के प्रयास किए जा रहे हैं।

विष्णु के सुशासन में जिले में खाद्य सुरक्षा मानकों के पालन पर विशेष ध्यान दिया



जा रहा है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा जांच में निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाए जाने वाले खाद्य पदार्थों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में फॉर्च्यून मैदा के संबंधित बैच की बिक्री एवं वितरण पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने का आदेश जारी किया गया है। प्रशासन ने खाद्य कारोबारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि खाद्य सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित करें तथा प्रतिबंधित बैच के उत्पाद का विक्रय एवं वितरण नहीं करें।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा गौरेला में खाद्य सुरक्षा अधिकारी के माध्यम से पनीर का विधिवत नमूना लेकर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजा गया था। प्राप्त जांच प्रतिवेदन में वेजिटेबल फैट की मात्रा निर्धारित सीमा से 77 प्रतिशत अधिक पाए जाने के आधार पर खाद्य विश्लेषक द्वारा संबंधित पनीर को असुरक्षित घोषित किया गया है। जांच में सामने आई इस अनियमितता को गंभीरता से लेते हुए विभाग द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

टीबी मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने जीपीएम में जनभागीदारी की नई पहल, 'जोश टीम' का शुभारंभ

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने नई दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से किया शुभारंभ, टीबी उन्मूलन अभियान को जनआंदोलन बनाने पर जोर

रायपुर ■ दैनन्दिनी



प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के टीबी मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में जनभागीदारी आधारित प्रयासों को नई गति दी जा रही है। टीबी उन्मूलन अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने, बीमारी के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आज जिले में 'जोश टीम' का शुभारंभ किया गया। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे.पी. नड्डा ने नई दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से इस पहल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर गौरेला स्थित एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में टीबी उन्मूलन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले ग्राम पंचायतों के सरपंचों, माय भारत वॉलंटियर्स और एनसीसी कैडेट्स को सम्मानित किया गया।

साथ ही जिले की सभी 163 ग्राम पंचायतों और 224 ग्रामों को टीबी मुक्त बनाने का संकल्प लिया गया। अभियान के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में टीबी के लक्षणों की पहचान, समय पर जांच, नियमित उपचार तथा जनजागरूकता को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने कहा कि टीबी मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने के लिए गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में निरंतर प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। जिले में बड़ी संख्या में ग्राम पंचायतों के टीबी मुक्त होने की उपलब्धि को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिलना गौरव का विषय है। यह उपलब्धि स्वास्थ्य विभाग, पंचायत प्रतिनिधियों, मैदानी अमले और ग्रामीण समुदाय के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि अब इस उपलब्धि को आगे बढ़ाते हुए संपूर्ण जिले को टीबी मुक्त बनाने की दिशा में योजनाबद्ध प्रयास किए जाएंगे। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ पंचायत एवं ग्रामीण विकास, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास सहित अन्य विभागों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। कलेक्टर ने बताया कि सतत विकास लक्ष्यों के अंतर्गत वर्ष 2030 तक टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए जिले के मरवाही विकासखंड को सर्वप्रथम टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके बाद जिले की सभी 163 ग्राम पंचायतों और 224 ग्रामों को टीबी मुक्त बनाने की दिशा में अभियान को व्यापक स्वरूप दिया जाएगा।

कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने कहा कि टीबी एक ऐसी बीमारी है, जिसका समय पर पता लगने और निर्धारित अवधि तक नियमित उपचार कराने से सफलतापूर्वक इलाज संभव है। इसके लिए आवश्यक है कि आम नागरिक बीमारी के शुरुआती लक्षणों को पहचानें और बिना देरी किए स्वास्थ्य संस्थानों में जांच कराएं।

उन्होंने बताया कि लगातार खांसी, बुखार, वजन में कमी, कमजोरी और रात में पसीना आने जैसे लक्षण टीबी के संकेत हो सकते हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकीय परामर्श एवं जांच करानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बीमारी को छिपाने अथवा उपचार में लापरवाही बरतने के बजाय समय पर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेना आवश्यक है।

11 अक्टूबर से शुरू होंगे शारदीय नवरात्र हाथी पर होगा मां भगवती का आगमन



पंडित पुनीत दुबे

लखनऊ (दैनंदिनी)। शारदीय नवरात्र के आगमन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। मां दुर्गा के स्वागत के लिए घरों और मंदिरों में तैयारियां शुरू हो गई हैं। हिंदू धर्म में शारदीय नवरात्र का विशेष धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व माना जाता है। नौ दिनों तक चलने वाले इस पावन पर्व में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है। वर्ष 2026 में शारदीय नवरात्र की शुरुआत 11 अक्टूबर, रविवार से होगी। इसी दिन घटस्थापना एवं कलश स्थापना के साथ मां भगवती का विधिवत स्वागत और नवरात्र पूजन का शुभारंभ किया जाएगा।

हाथी पर होगा मां भगवती का आगमन, शुभता और समृद्धि का संकेत

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस वर्ष शारदीय नवरात्र में मां भगवती का आगमन हाथी पर हो रहा है, जिसे अत्यंत शुभ एवं कल्याणकारी माना जाता है। देवी के वाहन के संबंध में प्रचलित मान्यताओं में हाथी को सुख, समृद्धि, शांति, स्थिरता और उन्नति का प्रतीक माना गया है। मां दुर्गा का हाथी पर आगमन होने को भक्तों के लिए विशेष मंगलकारी संकेत के रूप में देखा जाता है। श्रद्धालुओं में इस बात को लेकर विशेष उत्साह है कि मां भगवती की कृपा से परिवारों में सुख-शांति, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो तथा सभी के जीवन में मंगल एवं कल्याण का मार्ग प्रशस्त हो। ज्योतिषाचार्य पंडित पुनीत दुबे के अनुसार, नवरात्र का प्रत्येक दिन साधना और देवी आराधना के लिए विशेष माना जाता है। मां भगवती के आगमन को लेकर भक्तों में आस्था और उत्साह का विशेष वातावरण है। ऐसे में श्रद्धालुओं को पूर्ण श्रद्धा, सात्त्विक भाव और विधि-विधान के साथ मां भगवती की उपासना करनी चाहिए।

11 अक्टूबर को होगी मां शैलपुत्री की पूजा

पंचांग के अनुसार प्रतिपदा तिथि 10 अक्टूबर की रात लगभग 9:19 बजे शुरू होकर 11 अक्टूबर की रात लगभग 9:30 बजे तक रहेगी। उदया तिथि के आधार पर 11 अक्टूबर को नवरात्र का प्रथम दिन माना जाएगा। पहले दिन मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा की जाएगी। इस दिन श्रद्धालु विधि-विधान से कलश स्थापित कर मां भगवती का आह्वान करेंगे। अनेक घरों में नवरात्र के दौरान अखंड ज्योत प्रज्ज्वलित करने और प्रतिदिन देवी की विशेष पूजा करने की परंपरा भी निभाई जाती है।

घटस्थापना का शुभ मुहूर्त

नवरात्र के प्रथम दिन घटस्थापना का विशेष महत्व होता है। 11 अक्टूबर को घटस्थापना के लिए प्रातःकालीन शुभ मुहूर्त सुबह 6:19 बजे से 10:12 बजे तक रहेगा। वहीं अभिजीत मुहूर्त सुबह 11:44 बजे से दोपहर 12:31 बजे तक रहेगा। इसी शुभ अवसर पर घरों और मंदिरों में कलश स्थापित कर मां दुर्गा का आह्वान किया जाएगा। कलश को देवी शक्ति के प्रतीक के रूप में स्थापित किया जाता है और इसके साथ जौ बोने की भी परंपरा है। नवरात्र के नौ दिनों में जौ की वृद्धि को शुभ एवं समृद्धि का प्रतीक माना जाता है।

नौ दिनों तक होगी मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा

शारदीय नवरात्र के नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाएगी। 11 अक्टूबर को मां शैलपुत्री, 12 अक्टूबर को मां ब्रह्मचारिणी, 13 अक्टूबर को मां चंद्रघंटा, 14 अक्टूबर को मां कूष्मांडा, 15 अक्टूबर को मां स्कंदमाता, 16 अक्टूबर को मां कात्यायनी, 17 अक्टूबर को मां कालरात्रि, 18 अक्टूबर को मां महागौरी और 19 अक्टूबर को मां सिद्धिदात्री की पूजा-अर्चना होगी। प्रत्येक दिन देवी के अलग-अलग स्वरूप की पूजा कर श्रद्धालु शक्ति, ज्ञान, सुख, समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति की कामना करेंगे। नवरात्र के दौरान मंदिरों में विशेष सजावट, देवी श्रृंगार, भजन-कीर्तन, दुर्गा सप्तशती पाठ और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाएगा।

अष्टमी-नवमी पर कन्या पूजन और हवन

नवरात्र की अष्टमी और नवमी तिथि पर विशेष पूजा-अर्चना का विधान है। अनेक स्थानों पर इन दिनों कन्या पूजन, हवन और भंडारे आयोजित किए जाते हैं। श्रद्धालु कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर उनका पूजन करते हैं, उन्हें भोजन कराते हैं और आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। कई परिवारों में नवमी के दिन हवन एवं पूर्णाहुति के साथ नवरात्र व्रत का समापन किया जाता है।

20 अक्टूबर को मनाया जाएगा विजयादशमी पर्व

नवरात्र के नौ दिनों के बाद 20 अक्टूबर 2026, मंगलवार को विजयादशमी यानी दशहरा मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार इसी दिन भगवान श्रीराम ने लंकापति रावण पर विजय प्राप्त की थी। विजयादशमी को बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है। देश के विभिन्न हिस्सों में इस अवसर पर रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया जाता है तथा भगवान श्रीराम की विजय का उत्सव मनाया जाता है।

व्रत और साधना का विशेष महत्व

नवरात्र के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु व्रत एवं उपवास रखते हैं। कुछ भक्त पूरे नौ दिनों तक फलाहार करते हैं, जबकि कई लोग प्रथम एवं अंतिम दिन व्रत रखते हैं। इस दौरान सुबह और शाम मां दुर्गा की पूजा, आरती, मंत्र जाप एवं दुर्गा सप्तशती का पाठ किया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि नवरात्र के पावन दिनों में श्रद्धा और विधि-विधान से मां दुर्गा की आराधना करने से भक्तों को सुख, शांति, समृद्धि, शक्ति और सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है। शारदीय नवरात्र केवल धार्मिक अनुष्ठान का पर्व ही नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, साधना, संयम और शक्ति आराधना का पावन अवसर भी माना जाता है। नौ दिनों तक मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की उपासना के बाद विजयादशमी के साथ इस पर्व का समापन होता है। श्रद्धालु इस दौरान मां भगवती से परिवार की सुख-शांति, आरोग्य, समृद्धि और जीवन में सफलता की प्रार्थना करते हैं।

ज्योतिषाचार्य पंडित पुनीत दुबे की अपील

पंडित पुनीत दुबे, ज्योतिषाचार्य एवं वास्तु सलाहकार, ने श्रद्धालुओं से अपील करते हुए कहा कि नवरात्र मां भगवती की आराधना, साधना और आत्मचिंतन का विशेष अवसर है। श्रद्धालुओं को अपनी सामर्थ्य के अनुसार मां दुर्गा की पूजा, मंत्र जाप, दुर्गा सप्तशती पाठ, कन्या पूजन एवं सेवा-दान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि नवरात्र में श्रद्धा, सात्त्विक भाव और शुद्ध आचरण का विशेष महत्व है। श्रद्धालुओं को अपनी पारिवारिक परंपरा एवं योग्य आचार्य के मार्गदर्शन के अनुसार पूजा-विधि का पालन करना चाहिए।

बस्तर ओलंपिक 2026 का आयोजन, 30 अक्टूबर तक कराएं पंजीयन

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा बस्तर संभाग के युवाओं में खेल प्रतिभा को प्रोत्साहित करने, पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने तथा जनजातीय बहुल एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के युवाओं को खेल के माध्यम से मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से बस्तर ओलंपिक 2026 का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता का आयोजन विकासखण्ड, जिला एवं संभाग स्तर पर किया जाएगा। बस्तर ओलंपिक में जूनियर वर्ग (14 से 17 वर्ष) एवं सीनियर वर्ग (17 वर्ष से अधिक) के युवक-युवतियां तथा महिला-पुरुष खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। इसके अलावा माओवाद प्रभावित दिव्यांगजनों एवं पुनर्वासित व्यक्तियों के लिए विशेष खेल प्रतियोगिताएं सीधे संभाग स्तर पर आयोजित की जाएंगी।

:- संपादकीय :-

विपक्षी खेमों से लगातार शक

जिस प्रक्रिया से 13 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं के नाम काटे गए हैं, उस पर तीन में से दो निर्वाचन आयुक्तों का भी भरोसा नहीं रहा, तो नई मतदाता सूची की क्या विश्वसनीयता होगी?मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया (एसआईआर) को जिस तरह आगे बढ़ाया गया, उस पर निर्वाचन आयोग के भीतर गहरे मतभेद थे। निर्वाचन आयुक्तों एस.एस. संधू और विवेक जोशी ने 10 महीनों के दौरान 14 बार अपनी गंभीर आपत्तियां दर्ज कराईं। एक अंग्रेजी अखबार की खोजी रिपोर्ट के मुताबिक इन आपत्तियों के तहत उन दोनों सदस्यों ने मतदाता सूची से नाम काटने और जोड? में मामले में उनको अंधेरे में रखने, नए वोटरों को जोड? की 'अनधिकृतइ प्रक्रिया अपनाने, तथा राज्यों के अधिकारियों को नजरअंदाज करते हुए सारे अधिकार 'दिल्ली में केंद्रितइ करने की शिकायत की। उन्होंने वोटर सॉफ्टवेयर की साख पर चिंता जताई। यहां तक कि अपनी शिकायतों को लेकर उन्होंने कैबिनेट सचिव का दरवाजा खटखटाया।रिपोर्ट ने साफ कर दिया है कि एसआईआर को लेकर सार्वजनिक दायरों में जो संदेह और एतराज हैं, उन्हें आयोग के अंदर भी जताया गया। निर्वाचन आयोग के अंदर मतभेद के मामले पहले भी सामने आए हैं, लेकिन जिस स्तर पर एसआईआर के मामले में हुआ, वह अभूतपूर्व है। इसका अर्थ है कि सबकी आपत्तियों को ठुकराते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बुल्डोजरी अंदाज में इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया है। ऐसा वे कैसे कर पाए और इसके लिए उन्हें कहां से ताकत मिली, इस पर अब स्वाभाविक कयास लगाए जाएंगे।जिस प्रक्रिया से 13 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं के नाम काटे गए हैं, कई जगहों पर सॉफ्टवेयर की गड़बड़ी से वैध नाम काटने के तथ्य सामने आए, और नए वोटर शामिल करने की प्रक्रिया पर विपक्षी खेमों से लगातार शक जताए गए, उस पर तीन में से दो निर्वाचन आयुक्तों का भी भरोसा नहीं रहा, तो आखिर नई मतदाता सूची की क्या विश्वसनीयता रहेगी? और क्या इनके आधार पर होने वाले चुनावों पर आम जन का यकीन बना रहेगा? ये अत्यंत गंभीर प्रश्न हैं। इसलिए इस पूरी मशक्कत को पलटने की जरूरत है। नई सूची रद्द कर पुरानी सूची अविलंब बहाल की जानी चाहिए। एसआईआर अगर जरूरी है, तो अब यह अनिवार्य हो गया है कि पहले इसकी प्रक्रिया पर सबको भरोसे में लेकर इसे दोबारा संपन्न किया जाए।

मुश्किल कामयाबी के बावजूद सोच बदलने की चुनौती

ललित गर्ग ।

गृह मंत्री अमित शाह ने जालंधर के प्राचीन देवी तालाब मंदिर में पूजा करने के बाद दूसरी भावना (उम्मीद) का ज़िक्र किया। चेहरे पर उम्मीद साफ छाई थी, उन्होंने बीते गुरुवार एक रैली में कहा कि हालांकि वह पंजाब में राजनीति पर बात करने नहीं आए थे, लेकिन उन्होंने वादा किया कि अगर ह्यआप हमें एक बार सत्ता में लाते हैंह्न, तो बीजेपी सूबे को नशे की समस्या से मुक्त कर देगी। कम भीड़ वाली रैली में उत्साह में नारे लगाए गए, लेकिन बीजेपी के कद्दावर नेता इतनी कम भीड़ से खुश नहीं रहे होंगे, खासकर मार्च में हुई उनकी मोगा रैली की तुलना में। कुछ लोगों का कहना था कि शाह करीब आधे घंटे पहले ही पहुंच गए थे व लोग अभी आ ही रहे थे। पंजाब बीजेपी के नेता निजी तौर पर मानते हैं कि हाल के हफ़्तों में पार्टी द्वारा सूबे में निकाली गई कई नशा-विरोधी यात्राएं-जो सभी जालंधर में आकर मिलीं-उनमें उम्मीद मुताबिक जन-उत्साह नहीं दिखा।अमित शाह के भाषण को ध्यान से सुनने वालों ने एक तीसरी बात पर जरूर गौर की होगी। उन्होंने पंजाब में सत्ताधारी आम आदमी पार्टी सरकार पर हमला किया और कांग्रेस पार्टी पर भी - जो अभी भी देशभर में बीजेपी की मुख्य प्रतिद्वंद्वी और विरोधी है, भले ही वह कभी-कभी खुद अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार लेती है- लेकिन उन्होंने शिरोमणि अकाली दल के विरोध में एक बार भी कुछ नहीं कहा।



भारतीय महिला खिलाड़ियों की रिले रेस में स्वर्णिम जीत गौरवान्वित करती है जो उन्होंने कड़े संघर्ष व ढेरों मुश्किलों के बावजूद हासिल की। ऐसे में, उनके प्रति घिसी-पिटी सोच का क्या मतलब? दरअसल, उनकी चुनौतियां आज भी सुरक्षा, भेदभाव और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के रूप में कायम हैं।जब आप कमतर आंकी गई अपनी महिला धावकों को रेस ट्रैक पर सबसे श्रेष्ठ धावकों से आगे निकलते हुए देखते हैं - जैसा कि पिछले सप्ताह आइची-नागोया एशियाई खेलों में 4७400 मीटर फाइनल में कोयंबटूर की विथ्या रामराज ने किया, पहले चीनी और फिर बहरीनी धावक को पछाड़कर, तब आप सोचते हैं कि सर्वश्रेष्ठ होने का अर्थ क्या है। विथ्या ने तीसरे चक्र के बाद उत्तर प्रदेश के सहारनपुर की प्राची चौधरी से बैटन लिया; तो कर्नाटक के कूर्ग की एमआर पूवम्मा ने दूसरा चक्र दौड़ा; उसने आगे यह बैटन बंदूक की आवाज पर दौड़ शुरू करने वाली हरियाणा के सोनीपत ज़िले के गुमाड गांव की किरण पहल से पाया था।जब आप अपने सामने अद्भुत होता देखते हैं, तो तारीफ के वही पुराने तौर-तरीके आपके दिमाग में घूमने लगते हैं। मसलन, मांसपेशियां, नसें, सालों का प्रशिक्षण और निरंतर तड़प जो सर्वश्रेष्ठ बनने के लिए प्रेरित करती रहती है- ये सब मिलकर एक दौड़ में दिखे, जिसमें देश के अपेक्षाकृत कम जाने जाते हिस्सों से आई चार महिलाएं दौड़ीं। भारत की बेटियां। हमारी गोल्डन गर्ल्स। विविधता में एकता। उत्तर-दक्षिण का मिलन और फर्क मिट गया।लेकिन तब क्या उन घिसी-पिटी मान्यताओं का असल में कोई अर्थ रहता है,जब ये महिला धावक -जो कुपोषण भरे बचपन, सामाजिक दबावों, गरीबी से जूझने में कड़ा संघर्ष, हर वक्त यौन उत्पीड़न की आशंका और छोटे गांव-छोटे शहरों की अव्यवस्था भरी ज़िंदगी के बीच भी अपने सपनों के लिए जूझती हैं और जीतती हैं?जहां एक ओर ये लड़कियां पिछले हफ़्ते की शुरूआत में आइची-नागोया में अपनी ज़िंदगी के लिए दौड़ रही थीं वहीं भारत की दूसरी बेटियां दिल्ली की सड़कों पर एक पार्क में हुए सामूहिक-बलात्कार के खिलाफ विरोध कर रही थीं। हममें से जो लोग 2012 की सर्दियों में हुए निर्भया यौन उत्पीड़न के मामले को याद कर सकते हैं, उनके लिए ऐसा लगता है मानो समय वहीं थमा हुआ है और हम हैरान हो रहे हैं- क्या वास्तव में कुछ बदला भी है?पीएम मोदी की बात करें तो उन्होंने कई तरह के टोटके आजमाए हैं, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ से लेकर महिलाओं के बैंक खाते में पैसे डालने तक और उज्ज्वला गैस सिलेंडर जैसी सरकारी योजनाओं में बदलाव किए हैं जो महिलाओं को प्राथमिकता सुनिश्चित करती हैं। भले ही इनमें से कई योजनाओं का मकसद महिलाओं का एक राजनीतिक वोट बैंक बनाना हो -लेकिन कम से कम उन्होंने कोशिश करना तो नहीं छोड़ा। तो फिर महिलाओं को ऐसा लगना क्यों जारी है कि उनकी कोई अहमियत नहीं? शायद इसलिए कि इन राजनीतिक कदमों के पीछे का उद्देश्य उतना नेकनीयत नहीं जितना होना चाहिए। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के ध्येय के साथ कई शर्तें भी जुड़ी हैं -इनमें सबसे बड़ी समस्या है कोटा देने से पहले संसद और विधानसभाओं में सीटों की संख्या में विस्तार करना।महिला हॉकी गोलकीपर सविता पूनिया, जिन्होंने चीन के विरुद्ध फाइनल मैच में पेनल्टी स्ट्रोक रोककर टीम को 1-0 से गोल्ड मेडल जिताने में मदद की, हरियाणा के सिरसा की निवासी हैं। मई 2026 में सिरसा में जन्म के समय लिंगानुपात बहुत खराब रहा है - प्रति 1,000 लड़कों पर 883 लड़कियां। सरकार ने हाल ही में चार स्वास्थ्य अधिकारियों को बर्खास्त किया, उन पर गैर-कानूनी तरीके से गर्भपात की अनुमति देने का आरोप है। हरियाणा में यह खुला रहस्य है कि गर्भवती महिलाएं कन्या भ्रूण नष्ट करवाने पड़ोसी राज्य राजस्थान जाती हैं। (हरियाणा की सबसे खराब स्थिति वाले जिले गुरुग्राम व जींद हैं, जहां प्रति 1,000 लड़कों पर क्रमशः 863 और 872 लड़कियां हैं।)मिजोरम के कोलासिब की वासी लालरेम्सियामी हमारजोटे ने महिला हॉकी फाइनल के 10वें मिनट में जीत दिलाने वाला गोल किया। झारखंड के सिमडेगा ज़िले के बड़कीचपार की रहने वाली सलीमा टेटे, खड़िया आदिवासी समुदाय से हैं और उन्होंने अपनी टीम की कप्तानी करते हुए शानदार जीत दिलाई। टेटे कहती हैं कि वह पूर्व महिला हॉकी कप्तान असुंटा लकड़ा को अपना आदर्श मानती हैं, जिन्होंने जुलाई में हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह पर यौन उत्पीड़न और संस्थागत डराने-धमकाने का आरोप लगाया था। सलीमा गोल्डन गर्ल्स ने 44 साल में पहली बार गोल्ड मेडल जीता और 2028 ओलंपिक में अपनी जगह पक्की की है। शायद सबसे मुश्किल सवाल अभी भी उनसे नहीं पूछे जा रहे जो सत्ता में हिस्सेदारी करना नहीं चाहते - आप ऐसा क्यों नहीं करते? महिलाओं के बारे में ऐसा क्या है, जिससे आप इतना डरते हैं?सर्वविदित है, लिंगानुपात में दक्षिणी राज्यों में केरल सबसे आगे है (वहां जन्म के समय प्रति 1,000 पुरुषों पर 1,084 महिलाएं हैं), जबकि हरियाणा व पंजाब जैसे राज्यों में ये आंकड़ा कम है (क्रमशः प्रति 1,000 पुरुषों पर 898 व 924 महिलाएं), हालांकि इन तीनों राज्यों की आबादी करीब एक जैसी है

राशिफल

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आपका आत्मविश्वास मजबूत बनेगा। आप काम को बेहतर तरीके से करने में सक्षम होंगे। आज आपको व्यापार में लाभ होगा लेकिन आप साझेदारी में थोड़ी सतर्कता बनाये रखें। आज आपका दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा और आपको किसी काम में जीवनसाथी का साथ मिलेगा जिससे काम आसानी से हो जायेगा।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज कारोबार में आपको बढि?ा धन लाभ होगा। साथ ही आपके व्यावसायिक रिश्ते भी सुधरेंगे। आज प्राइवेट नौकरी में कार्यरत व्यक्तियों को पदोन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। आज किसी व्यक्ति से चल रही अनबन खत्म होगी, आपसी मधुरता बढ़ेगी।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक रहने वाला है। आज आप कुछ ऐसा करेंगे, जिससे आपके पड़ोसी भी आपकी तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पायेंगे। यदि आज आप कोई नया वाहन खरीदना चाहतें हैं तो दिन अच्छा है आप खरीद सकते हैं। आज आप चुनौतियों से नहीं घबरायेंगे और उनका डटकर मुकाबला करेंगे जिससे जल्द ही सब ठीक हो जायेगा।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहेगा। आज आप निजी जीवन में चल रही समस्याओं को सुलझा लेंगे, आपका मन संतुष्ट होगा। आज कुछ भी करने से पहले आप अपने बड़ों से राय अवश्य लें जिससे आपको ज्यादा से ज्यादा लाभ मिल सके। आज नवविवाहिता दंपति अध्यात्मिक यात्रा करने का प्लान बना सकते हैं।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आज आप नयी योजनाओं की शुरूआत करके भविष्य में बड़ा धन लाभ कमायेंगे। आज आप वो कामयाबी पाने में सफल रहेंगे , जिसके लिए आपने बहुत मेहनत की थी।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। आज आप बड़े भाई की मदद से अपना काम कम्पलीट करने में सफल रहेंगे। आज आपकी खोई हुई चीज वापस मिलने से आपको बहुत खुशी होगी।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज आपको मेहनत का उचित फल मिलेगा , आपका मन प्रसन्न होगा। आज आपके दांपत्य जीवन में खुशियां आएंगी , साथ ही किसी मेहमान के आने से ये खुशी डबल हो जाएगी। आज आप घर से जुड़ा कोई अधुरा काम पूरा करा सकते हैं। आज आपको ऑफिस में कर्मचारियों का सहयोग मिलेगा , जिससे आपका काम और परफोर्मेंस दोनों ही बेहतर होंगे।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आज आप जल्दबाजी में कोई भी काम करने से बचें , तो आपके लिए अच्छा होगा। आज माता-पिता से आपको जिन्दगी की बड़ी सीख मिलेगी, जो आपकी तरक्की में सहायक सिद्ध होगी। आज आपका मन आध्यात्मिकता की ओर बढ़ेगा , आपको मानसिक शांति मिलेगी।

धनु राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपको रोजगार के नए अवसर प्राप्त होने वाले हैं , जिनका लाभ लेकर आप अपना भविष्य संवार सकते हैं। आज आपको लम्बे समय बाद घर जाने का मौका मिलेगा, सबसे मिलकर आपको बहुत खुशी होगी। आज आपको किसी शारीरिक समस्या से मुक्ति मिलेगी आप खुद को अच्छा महसूस करेंगे।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए पहले की अपेक्षा बेहतर रहेगा। आज आपको किसी वरिष्ठ व्यक्ति से मिलने का मौका मिलेगा , जिनके मार्गदर्शन से आपकी तरक्की होना तय है। आज आप इस बात का खास ध्यान रखें कि किसी भी व्यक्ति की उपेक्षा न करें।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आज आप समय से अपने अधिकतर काम पूरे कर लेंगे , जिससे आपके सर से काम का बोझ कम होगा।आज आपको दोस्तों के साथ एंजॉय करने को मिलेगा जिससे आपका मन प्रसन्न होगा। आज आप सामाजिक कार्यों में अपना योगदान देंगे। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी सामाजिक समारोह में शामिल होंगें , आपके व्यवहार की सभी प्रशंसा करेंगे।

सू- दोकू क्र.183

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 182 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3		2	5
1	8	9	3	6	7	2	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7

नजरिया | नीरज कुमार दुबे ।

घटती जन्म दर से उभरता चिंताजनक परिदृश्य



आर्थिक सलाकार परिषद ने जनसंख्या नियंत्रण से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाओं को बंद करने और चीन की जनसंख्या नीति से सबक लेने की भी सिफारिश की है। हालिया राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 के आंकड़े भी निम्न प्रजनन दर की स्थिति की ओर संकेत करते हैं।हाल ही में प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) ने द घोस्ट ऑफ पॉपुलेशन पास्ट : हाउ पॉपुलेशन कंट्रोल परसिस्ट्स इन इंडिया नामक रिपोर्ट जारी की है। यह रिपोर्ट बताती है कि भारत की कुल प्रजनन दर घटकर 1.9 रह गई है, जबकि आबादी को स्थिर रखने के लिए 2.1 की प्रजनन दर जरूरी मानी जाती है। उत्तर प्रदेश और बिहार को छोड़ दें तो राष्ट्रीय प्रजनन दर 1.6 रह जाती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश की बदलती जनसांख्यिकीय स्थिति को देखते हुए अब जनसंख्या नियंत्रण को सरकारी नीति के मुख्य उद्देश्य के रूप में देखना प्रासंगिक नहीं है। साथ ही, परिवार नियोजन की नीतियों को स्वास्थ्य, बच्चों के बीच अंतर रखने और व्यक्ति की निजी पसंद के अनुरूप रखने की बात कही गई है। आर्थिक सलाहकार परिषद ने जनसंख्या नियंत्रण से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाओं को बंद करने और चीन की जनसंख्या नीति से सबक लेने की भी सिफारिश की। हालिया राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 के आंकड़े भी अलग-अलग राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में निम्न प्रजनन दर की स्थिति की ओर संकेत करते हैं।अमूमन यह समझना सहज नहीं है कि आखिर यह प्रतिस्थापन स्तर (रिप्लेसमेंट लेवल) इतना महत्वपूर्ण क्यों है और मूल रूप से यह है क्या। इसके साथ ही स्वाभाविक रूप से एक प्रश्न सहज उत्पन्न होगा कि 2.1 यानी एक महिला 2.1 बच्चे को कैसे जन्म दे सकती है? इसे समझने के लिए पहले प्रजनन दर और प्रतिस्थापन स्तर, दोनों को समझना होगा।प्रजनन दर का सीधा अर्थ है कि एक महिला अपने प्रजनन काल में औसतन कितने बच्चों को जन्म देती है। वहीं, प्रतिस्थापन स्तर वह स्थिति है, जिसमें एक पीढ़ी अपनी अगली पीढ़ी से संख्या के स्तर पर लगभग स्वयं को प्रतिस्थापित कर सके। सामान्यतः कम मृत्यु दर वाली आबादी में यह स्तर 2.1 बच्चे प्रति महिला माना जाता है। यानी 2.1 का अर्थ यह नहीं है कि प्रत्येक महिला के 2.1 बच्चे हों, बल्कि यह पूरी आबादी में महिलाओं द्वारा जन्म दिए गए बच्चों का औसत है।यह स्तर इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यदि प्रजनन दर लंबे समय तक इसके नीचे बनी रहती है तो आने वाली पीढ़ी का आकार धीरे-धीरे छोटा होने लगता है। इसका असर आगे चलकर आबादी की आयु संरचना तथा कार्यशील आबादी के आकार पर भी पड़ सकता है। ऐसे में जनसंख्या में एक संतुलन का होना महत्वपूर्ण हो जाता है।हालांकि, इसका यह अर्थ बिल्कुल नहीं है कि भारत की आबादी अब अचानक घटने लगेगी। कम प्रजनन दर का प्रभाव कुल आबादी में दिखाई देने में कई दशक लग सकते हैं, क्योंकि वर्तमान में बड़ी संख्या में युवा आबादी मौजूद है और जनसांख्यिकीय जड़त्व के कारण कुछ समय तक आबादी बढ़ती रह सकती है। लेकिन यदि प्रजनन दर लंबे समय तक इसी तरह प्रतिस्थापन स्तर (रिप्लेसमेंट लेवल) से नीचे बनी रहती है तो आगे चलकर आबादी के आकार के साथ-साथ उसकी आयु संरचना में भी बड़ा बदलाव आएगा।एनएफएचएस-6 के हालिया आंकड़े इस बदलाव की गंभीरता को समझने का एक संकेत देते हैं। अंडमान-निकोबार में कुल प्रजनन दर 0.9 तक पहुंच गई है, जबकि दक्षिण भारत के कई राज्यों में भी यह प्रतिस्थापन स्तर से काफी नीचे है। यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो आने वाले समय में भारत के सामने केवल आबादी के आकार का नहीं, बल्कि वृद्ध होती आबादी, घटती कार्यशील आबादी और बदलती सामाजिक संरचना का प्रश्न भी खड़ा होगा। इसलिए यह ऐसा विषय है, जिस पर भविष्य की स्थिति का इंतजार करने के बजाय अभी से गंभीर विचार-विमर्श की आवश्यकता है।आखिर प्रजनन दर में इस गिरावट के पीछे कारण क्या हैं? इसके कारणों को केवल जनसंख्या संबंधी आंकड़ों में तलाशना पर्याप्त नहीं होगा।

विचार

सरस्वती साइकिल योजना से बेटियों की शिक्षा की राह हुई आसान



गांव की पगडंडियों और लंबी सड़कों से होकर स्कूल पहुंचने वाली बेटियों के लिए एक साइकिल केवल दो पहियों का साधन नहीं, बल्कि शिक्षा तक पहुंचने की राह आसान करने वाली साथी बन सकती है। घर से विद्यालय की दूरी, आने-जाने में लगने वाला समय, बदलता मौसम और परिवहन साधनों की कमी जैसी चुनौतियों के बीच सरस्वती साइकिल योजना दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों की छात्राओं को नियमित रूप से विद्यालय पहुंचने में मदद कर रही है।सरगुजा जिले के बतौली विकासखंड स्थित शासकीय हाई स्कूल सेदम की छात्राएं रजनी एक्का, गायत्री यादव, सोनिया, रजनी साहू और नीतू यादव भी इस बदलाव को अपने जीवन में महसूस कर रही हैं। कभी स्कूल पहुंचने के लिए पैदल लंबी दूरी तय करने वाली इन छात्राओं के लिए साइकिल मिलने के बाद आवागमन आसान हुआ है। समय की बचत हो रही है और किसी दूसरे व्यक्ति पर निर्भरता भी कम हुई है।छत्तीसगढ़ शासन की सरस्वती साइकिल योजना के माध्यम से कक्षा 9वीं में अध्ययनरत पात्र छात्राओं को निःशुल्क साइकिल प्रदान की जाती है। इसका उद्देश्य छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा देने के साथ बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करना है।योजना का महत्व विशेष रूप से उन ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में अधिक दिखाई देता है, जहां घर और विद्यालय के बीच दूरी अधिक है तथा सार्वजनिक परिवहन के साधन सीमित हैं। ऐसी परिस्थितियों में प्रतिदिन पैदल स्कूल आना-जाना छात्राओं के लिए समय और श्रम दोनों की दृष्टि से चुनौतीपूर्ण होता है। साइकिल मिलने से यही दूरी कम समय में तय की जा सकती है।शासकीय हाई स्कूल सेदम की छात्राएं बताती हैं कि साइकिल मिलने से पहले उन्हें स्कूल आने-जाने के लिए पैदल चलना पड़ता था।

हार की मार के बावजूद जीत के दावे

हर युद्ध में पाकिस्तान खुद को जीता हुआ घोषित कर देता है। 1971 के युद्ध से 2025 के युद्ध तक पाकिस्तान ही जीता है, पाकिस्तान के रिकॉर्ड में। क्रिकेट मैच सबके सामने खुले में हो रहे हैं, वरना तो एशियन गेम्स का क्रिकेट गोल्ड मेडल पाकिस्तान का ही होता।दुनिया में युद्ध की तकनीक बदल गई है, इंसान की आदतें नहीं। पहले तलवार चली, फिर बंदूक, फिर मिसाइल, अब ड्रोन। और क्रिकेट में? वहां बल्ला पहले भी चलता था, आज भी चलता है। तकनीक बदलती रही, बल्ले की हैसियत नहीं।एशियन गेम्स में भारत ने पाकिस्तान को हराकर क्रिकेट का गोल्ड मेडल जीत लिया। और यहीं क्रिकेट की सबसे बड़ी खूबी सामने आती है : यहां सब कुछ खुला है। स्कोरबोर्ड खुला, कैमरे खुले, रीप्ले खुला, थर्ड अंपायर खुला। कितने रन बने, कौन कितने ओवर में निपटा–सब करोड़ों आंखों के सामने। इसलिए पाकिस्तान को हार माननी पड़ी। मानने के सिवा चारा ही नहीं था। वरना तो हर युद्ध में पाकिस्तान खुद को जीता हुआ घोषित कर देता है। 1971 के युद्ध से 2025 के युद्ध तक पाकिस्तान ही जीता है, पाकिस्तान के रिकॉर्ड में। क्रिकेट मैच सबके सामने खुले में हो रहे हैं, वरना तो एशियन गेम्स का क्रिकेट गोल्ड मेडल पाकिस्तान का ही होता, पाकिस्तान के रिकॉर्ड में।उधर हूती और ईरान ने ड्रोन से बड़े-बड़े जहाजों को चुनौती दे दी। अरबों डॉलर का जहाज, सामने सस्ता-सा ड्रोन। जहाज सोच रहा है कि इतना बड़ा होकर भी किस बात का बड़ा? ड्रोन जवाब देता है : साइज मैटर नहीं करता। पहले महंगी चीज सस्ती चीज को डराती थी, अब सस्ती चीज महंगी चीज को बजट समझाती है।जहां तस्वीर साफ नहीं, वहां हर पक्ष अपनी जीत खुद घोषित करता है। रूस-यूक्रेन युद्ध इसका गवाह है।

इतने साल हो गए, हर पक्ष रोज जीत की खबर देता है, फिर भी मैच खत्म नहीं होता। सब जीत रहे हैं, तो हार कौन रहा है? वही आम आदमी, जिसका नाम स्कोरकार्ड में कभी नहीं आता।इस दौड़ में कुछ लोग तो जीत घोषित करने के लिए लड़ाई खत्म होने का भी इंतजार नहीं करते। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई बार दावा कर चुके हैं कि उन्होंने कई युद्ध रुकवा दिए, भारत-पाकिस्तान का युद्ध भी।सुझाव है कि अगले एशियन गेम्स में एक नया खेल जुड़े : युद्ध रोकना। जो देश सबसे पहले युद्ध रोके, उसे गोल्ड। जो बिना युद्ध के मसला सुलझा ले, उसे सिल्वर। शर्त यही कि थर्ड अंपायर जरूर रखा जाए, वरना हर देश सारे मेडल अपने नाम घोषित कर देगा। और वाशिंगटन से तो मेडल बंटने से पहले ही दावा आ जाएगा–जो युद्ध छेड़कर कहे कि हम तो शांति चाहते थे।

शब्द सामर्थ्य -183

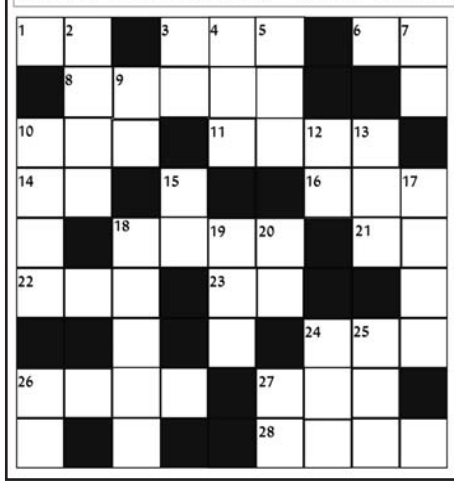
(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. याद, स्मरण 3. अग्नि, आग, पवित्र करने वाला 6. गौ जाति का नर 8. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 10. मुस्कुराहट, तबस्सुम 11. खारा, नमक के स्वाद जैसा 14. मुख्यभाग, निचोड़ 16. पिंडली व एड़ी के बीच की दोनों ओर उभरी हड्डी, गुल्फ 18. अद्भूत, विचित्र 21. सम्राट, बादशाह, नरेश 22. कृति, निर्माण करना, बनाना 23. बड़ी थाली 24. समूह, दल 26. एहसानमंद, कृतज्ञ 27. ध्वनि, सदा 28. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर।

ऊपर से नीचे

2. अपमान, अनादर, अवज्ञा 3. जल, नीर, अम्बु 4. वाणी, वादा, कथन 4. कर्म शब्द का अपभ्रंश, भाग्य 7. लकड़ी का घूमने वाला एक गोल खिलौना, बिजली का बल्ब 9. लोग, प्रजा 10. यात्री, राही, पथिक 12. कीड़ा 13. चोचला, अदा 15. दंड 17. अवैध, अनुचित 18. जो आधिकारिक न हो, जो अधिकार प्राप्त न हो 19. जैसा होना चाहिए ठीक वैसा, सत्यपरक, वाजिब 20. ताकत, शक्ति 24. प्रश्न, समस्या 25. घटना, घटना का वर्णन 26. एक प्रसिद्ध पक्षी जो रात में विचरण करता है, लक्ष्मीजी की सवारी 27. पानी, चमक।



शब्द सामर्थ्य क्रमांक 182 का हल

टे	ढ़ा	मे	ढ़ा	■	म	हा	र	त
क	■	ह	■	■	■	■	ज	न
■	जा	न	की	■	क	म	नी	य
■	■	त	म	क	ना	■	■	■
म	■	■	त	ह	त	■	दा	ब
सी	मा	■	■	ला	■	स	न	द
हा	थ	म	ल	ना	■	वा	■	च
■	■	द	■	■	घा	ल	मे	ल
■	ब	द	ह	वा	स	■	■	न

स्वामी आत्मानंद स्कूल में छात्र हितकारी योजनाओं और शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन की गई समीक्षा

जिला शिक्षा अधिकारी ने संकुल शैक्षिक समन्वयकों को दिए विस्तृत दिशा-निर्देश



कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिला शिक्षा अधिकारी एफ.आर. वर्मा ने स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, रानी दुर्गावती चैक कवर्धा के सभागार में जिले के संकुल शैक्षिक समन्वयकों की बैठक लेकर शासन की छात्र हितकारी योजनाओं एवं शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन से संबंधित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में शैक्षणिक गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन, विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति तथा विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी एफ.आर. वर्मा ने शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन के लिए शैक्षिक कैलेण्डर के अनुरूप मूलभूत, प्रारंभिक, माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्तर पर कक्षावार, विषयवार एवं कालखण्डवार शैक्षणिक गतिविधियों का समुचित क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आगामी त्रैमासिक एवं अर्धवार्षिक परीक्षाओं के आयोजन, कार्यनीति एवं तैयारी के संबंध में भी विस्तृत चर्चा की। इस दौरान एम.बी.यू. अपडेशन, अपार आईडी निर्माण, आधार निर्माण की प्रगति, इंस्पायर अवार्ड मानक तथा छात्रवृत्ति से संबंधित कार्यों की समीक्षा की गई। अधिकारियों को सभी पात्र विद्यार्थियों को शासन की योजनाओं का समय पर लाभ दिलाने तथा संबंधित कार्यों में आवश्यक प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

जिला शिक्षा अधिकारी ने जिले के शत-प्रतिशत प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में किचन गार्डन विकसित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देशित किया कि किचन गार्डन में प्राथमिकता के आधार पर भूमिगत सब्जियां एवं कंद-मूल जैसे आलू, प्याज, जिमीकंद एवं शकरकंद के साथ मुनगा एवं कटहल जैसे पौधों का रोपण किया जाए, ताकि विद्यालयों में उपलब्ध स्थान का बेहतर उपयोग हो सके और वानर एवं अन्य जानवरों से होने वाले नुकसान को भी कम किया जा सके।

शैक्षिक गुणवत्ता उन्नयन के अंतर्गत प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक कक्षाओं में विद्यार्थियों के मूलभूत कौशल को मजबूत करने के निर्देश दिए गए। विद्यार्थियों को पहाड़ा, बारहखड़ी, हिंदी एवं अंग्रेजी का त्रुटिहीन एवं धाराप्रवाह वाचन कराने के साथ सुलेख, अनुलेखन एवं श्रुतलेखन का नियमित अभ्यास कराने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में विद्या समीक्षा केंद्र एप के माध्यम से विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की अनिवार्य एवं नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने, विभागीय पोर्टल सीजी स्कूल डॉट इन पर लीव मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से ऑनलाइन अवकाश आवेदन करने तथा उपस्थिति संबंधी व्यवस्थाओं का नियमित अनुश्रवण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही 'सुधार छत्तीसगढ़' एवं तंबाकू नियंत्रण से संबंधित गतिविधियों पर भी आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने कहा गया।

'मैं एआई जागरूक हूं' विषय पर दिया गया प्रशिक्षण

बैठक के प्रारंभ में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला प्रशासन के निर्देशानुसार ग्रामीण यांत्रिकी सेवा एवं स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त संयोजन में 'मैं एआई जागरूक हूं' विषय पर प्रभावी प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रति जागरूक किया गया तथा इससे संबंधित जागरूकता की शपथ भी दिलाई गई। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी एफ.आर. वर्मा, जिला मिशन समन्वयक विनोद श्रीवास्तव, जिला कार्यालय से सहायक संचालक एम.के. गुप्ता, एमआईएस प्रशासक सतीश कुमार यदु तथा विकासखंड नोडल अधिकारी इंस्पायर अवार्ड मानक सहित जिले के संकुल शैक्षिक समन्वयक उपस्थित रहे।

पक्के आवास ने राकेश कुमार यादव के परिवार को दिया सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन



नारायणपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण जरूरतमंद परिवारों के लिए पक्की छत और सुरक्षित जीवन का आधार बन रही है। योजना के माध्यम से जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे परिवारों को अपना पक्का घर मिल रहा है, जो वर्षों से कच्चे मकान में रहकर कठिनाइयों का सामना कर रहे थे। ग्राम पंचायत बेनूर के ग्राम भैरागांव निवासी रमेश कुमार यादव भी ऐसे ही हितग्राहियों में शामिल हैं। रमेश कुमार यादव अपने परिवार के साथ खेती एवं मजदूरी कर जीवन-यापन करते थे। उनका परिवार पहले कच्चे मकान में रहता था। बारिश के दिनों में मकान की छत से पानी टपकने और घर की कमजोर स्थिति के कारण पूरे परिवार को काफी परेशानी होती थी। बच्चों एवं परिवार की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी रहती थी।

वर्ष 2022-23 में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत रमेश कुमार यादव को 1 लाख 30 हजार की स्वीकृत राशि प्राप्त हुई। योजना की सहायता से उन्होंने अपने पुराने कच्चे मकान की जगह पक्का घर बनवाया। आज उनका परिवार सुरक्षित और सुविधाजनक आवास में रह रहा है।

वन्यजीव सप्ताह के अंतर्गत आत्मानंद स्कूल में जागरूकता फिल्म, चित्रकला, भाषण एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित



कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। वन्यजीव सप्ताह 2026 के अंतर्गत 07 अक्टूबर को आत्मानंद इंग्लिश मीडियम हायर सेकेण्डरी स्कूल, कवर्धा में वन्यजीव संरक्षण के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता एवं संवेदनशीलता विकसित करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वनमंडलाधिकारी कवर्धा निखिल अग्रवाल के नेतृत्व एवं भोरमदेव अभयारण्य अधीक्षक श्रीमती अनिता साहू के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को वन्यजीव संरक्षण एवं प्रकृति संरक्षण पर आधारित जागरूकता फिल्म दिखाई गई। इसके पश्चात विद्यार्थियों के लिए वन एवं वन्यजीव विषय पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मकता, कल्पनाशीलता एवं विचारों को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण वन्यजीव प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता रही, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ सहभागिता की तथा वन, वन्यजीव, जैव विविधता एवं संरक्षण से संबंधित अपने ज्ञान का प्रदर्शन किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

इस अवसर पर "सेवा संकल्प अभियान" के अंतर्गत विद्यार्थियों को प्रकृति, वन एवं वन्यजीवों के संरक्षण के प्रति अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करने तथा पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने हेतु प्रेरित किया गया। विद्यार्थियों ने वन्यजीवों की सुरक्षा, वनों की रक्षा, जैव विविधता के संरक्षण तथा प्रकृति के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने का सेवा संकल्प लिया।

कार्यक्रम का आयोजन वन विभाग के भूपेश कौशिक, सचिन राजपूत, अमित वर्मा एवं राजकुमार तारम द्वारा किया गया।

आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में वन एवं वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने, उनके ज्ञान एवं रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने तथा "सेवा संकल्प अभियान" के माध्यम से प्रकृति संरक्षण को सामाजिक दायित्व एवं जनभागीदारी से जोड़ना रहा। वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूक एवं संवेदनशील युवा पीढ़ी तैयार करने की दिशा में ऐसे आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कलेक्टर ने शक्कर कारखाना पंडरिया का किया निरीक्षण, किसानों की सुविधाओं पर दिया जोर

गन्ना खरीदी, शक्कर उत्पादन और भुगतान व्यवस्था की ली जानकारी



कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने बुधवार को सरदार वल्लभ भाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना, पंडरिया का निरीक्षण किया। उन्होंने कारखाने में लगी मशीनरी का निरीक्षण करते हुए गन्ने से शक्कर उत्पादन की पूरी प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने गन्ना खरीदी, शक्कर उत्पादन की स्थिति तथा कारखाने की कार्यप्रणाली के संबंध में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की।

कलेक्टर ने कारखाने में गन्ना बेचने के लिए आने वाले किसानों की संख्या और उनके लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने किसानों एवं श्रमिकों को किए जा रहे भुगतान की स्थिति तथा किसानों को भुगतान किए जाने की समय-सीमा के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने किसानों को होने वाली दिक्कतों के बारे में जानकारी लेते हुए उनके समाधान के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने जिले में संचालित गुड़ फैक्ट्रियों के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को जिले में संचालित गुड़ फैक्ट्रियों की संख्या तथा उनके संचालन से संबंधित आवश्यक जानकारी संकलित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित जानकारी व्यवस्थित रूप से तैयार की जाए, ताकि किसानों और गन्ना उत्पादकों से जुड़े विषयों पर प्रभावी रूप से कार्य किया जा सके।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने शक्कर कारखाना परिसर के अंदर सड़क निर्माण की स्थिति की भी जानकारी ली। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सड़क निर्माण कार्य के लिए स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है और अब टेंडर की प्रक्रिया की जाएगी। कलेक्टर ने सड़क निर्माण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए, जिससे कारखाना परिसर में आवागमन और किसानों को होने वाली सुविधा में और सुधार हो सके। इस दौरान एसडीएम अमित नाथ योगी, एमडी शक्कर कारखाना श्री कौशिक तहसीलदार, नायब तहसीलदार, पटवारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

वनांचल ग्राम कमराखोल में कलेक्टर ने परखी योजनाओं की जमीनी हकीकत

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने पंडरिया विकासखंड के वनांचल ग्राम कमराखोल पहुंचकर शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत संचालित कार्यों और ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने पीएम जनमन योजना के तहत निर्मित आवास का निरीक्षण कर हितग्राही से चर्चा की और आवास सहित शासन की अन्य योजनाओं से मिल रहे लाभ की जानकारी ली।

कलेक्टर से चर्चा के दौरान झिमलाल की पत्नी ने बताया कि पीएम जनमन योजना के तहत उनका पक्का आवास बनकर तैयार हो गया है। उन्होंने बताया कि वे समूह से भी जुड़े हैं और योजना के तहत मिले ऋण से किराना दुकान शुरू की है।



दुकान से उन्हें अच्छी आमदनी हो रही है। कलेक्टर ने उनसे दुकान के संचालन, आमदनी और परिवार की आर्थिक स्थिति में आए बदलाव की जानकारी ली। उन्होंने महतारी वंदन योजना का लाभ मिलने के संबंध में भी जानकारी ली।

इसके बाद कलेक्टर ने शासकीय प्राथमिक शाला कमराखोल का निरीक्षण किया। उन्होंने कक्षा पहली और दूसरी के बच्चों से बातचीत कर पढ़ाई की स्थिति जानी और बच्चों से सरल सवाल पूछकर उनकी सीखने की स्थिति समझी। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ नियमित विद्यालय आने और सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। कलेक्टर ने स्कूल में मध्यान्ह भोजन व्यवस्था का निरीक्षण किया और बच्चों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता एवं व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने रसोई कक्ष का भी निरीक्षण किया। इस दौरान शिक्षकों से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने की व्यवस्था की जानकारी लेते हुए नियमित रूप से ऑनलाइन अटेंडेंस सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने ग्रामीणों से गांव में पेयजल व्यवस्था की जानकारी भी ली। उन्होंने स्कूल परिसर में शौचालय की स्थिति का निरीक्षण किया। खराब शौचालय को प्रस्ताव तैयार कर हटाने तथा आवश्यकतानुसार नया शौचालय निर्माण कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि स्कूल में बच्चों के लिए स्वच्छ पेयजल, शौचालय और भोजन जैसी मूलभूत सुविधाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। इस दौरान एसडीएम श्री अमित नाथ योगी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, पटवारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्य सलाहकार ने एफएसटीपी सहित कचरा कलेक्शन के कार्य का किया निरीक्षण





कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। राज्य सलाहकार स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण छत्तीसगढ़ श्रीमती अभिलाषा आनंद द्वारा कबीरधाम जिले के ग्राम पंचायत जेवडनकला, महराटोला एवं राजपुर में योजना अंतर्गत चल रहे विभिन्न कार्यों का निरीक्षण कर मैदानी कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। एकदिवसीय प्रवास पर पहुंची राज्य सलाहकार द्वारा मुख्य रूप से (एफएसटीपी) मल कीचड़ उपचार संयंत्र का निरीक्षण किया गया। संयंत्र की कार्यप्रणाली, संचालन एवं रखरखाव की विस्तृत समीक्षा की गई।इसके बाद राज्य सलाहकार द्वारा घर-घर कचरा कलेक्शन की व्यवस्था का जायजा लिया गया एवं स्व-सहायता समूहो की महिलाओं से विस्तृत जानकारी ली गई।

कचरा संग्रहण की नियमितता, पृथक्करण एवं यूजर चार्ज संग्रहण पर चर्चा की गई और आवश्यक दिशा निर्देश योजना के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिए गए। निरीक्षण के दौरान महिला समूहों को निर्देशित करते हुए कहा गया कि घर-घर कचरा कलेक्शन नियमित रूप से किया जाए। ग्रामीणों को गीला-सूखा कचरा अलग-अलग रखने समझाइए देने की बात कही गई। कचरा कलेक्शन से आजीविका संवर्धन की गतिविधियों को बढ़ावा देने निर्देशित किया गया। जिले में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 का प्रभावी क्रियान्वयन रणनीति बनाकर कार्य करने का सुझाव दिया गया। स्वच्छता के प्रति जागरूकता के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान योजना दीदियों तथा स्वास्थ्य विभाग के मैदानी कर्मचारियों के माध्यम से घर-घर जागरूकता अभियान चलाने का सुझाव दिया गया।निरीक्षण के दौरान जिला समन्वयक, विकासखण्ड समन्वयक एवं संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंच,सचिव महिला समूह के सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना : संकट की घड़ी में मत्स्य पालकों का मजबूत संबल बनी निःशुल्क दुर्घटना बीमा योजना

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। मत्स्य पालन के व्यवसाय से जुड़े परिवारों को आकस्मिक संकट एवं दुर्घटना की स्थिति में सामाजिक व आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित 'प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना' जिले में जरूरतमंद परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। योजना के अंतर्गत शासन द्वारा मत्स्य पालकों का निःशुल्क दुर्घटना बीमा कराया जाता है, जिससे अप्रत्याशित विपत्ति के समय उनके आश्रितों को तुरंत आर्थिक संबल प्राप्त हो सके। इसी क्रम में विकासखंड डौंडीलोहारा के पीड़ित परिवार को 05 लाख रुपए की क्लेम राशि का सफल भुगतान किया गया है। डौंडीलोहारा विकासखण्ड के ग्राम मुड़खुसरा निवासी स्व. भुवन लाल भेड़िया मत्स्य पालक के रूप में योजनांतर्गत बीमित थे। उनके असामयिक निधन के उपरांत जिला प्रशासन एवं मछली पालन विभाग की तत्परता से समस्त आवश्यक विभागीय प्रक्रियाएं पूर्ण कराई गईं। इसके पश्चात राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड (एनएफडीबी) हैदराबाद के समन्वय से स्व. भुवन लाल की नामिनी पत्नी श्रीमती टिकेश्वरी भेड़िया के



बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से 05 लाख रुपए की बीमा राशि सीधे अंतरित की गई। मुखिया के असमय चले जाने के बाद इस त्वरित आर्थिक सहायता से शोकाकुल परिवार को बड़ा सहारा मिला है। उल्लेखीनय है कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत पंजीकृत मत्स्य पालकों को निःशुल्क बीमा सुरक्षा दी जाती है। इसके अंतर्गत बीमित व्यक्ति की मृत्यु होने पर 05 लाख रुपए, पूर्ण स्थायी अथवा अस्थायी अपंगता की स्थिति में 02 लाख 50 हजार रुपए तथा दुर्घटना के दौरान अस्पताल में भर्ती होने पर 25 हजार रुपए तक की निःशुल्क चिकित्सा सहायता बीमित हितग्राही अथवा उसके नामिनी को प्रदान की जाती है।

OFFICE OF THE SUPERINETENDING ENGINEER PUBLIC WORK DEPARTMENT, BILASPUR CIRCLE BILASPUR, CHHATTISGARH

AMENDMENT NOTICE

Amendment are made in N.I.T. No. 315, 316 and 317 dated 24.09.2026:-

Existing Description	To be extended
Bid submission due date (Online) 05/10/26 17.30	Bid submission due date (Online) 12/10/26 17.30
End date for Physical submission (EMD, and affidavit in Envelope A) (by speed post or Registered post) 07/10/26 17.30	End date for Physical submission (EMD, and affidavit in Envelope A) (by speed post or Registered post) 14/10/26 17.30
Bid opening date (Scheduled) 08/10/26 11.00	Bid opening date (Scheduled) 15/10/26 11.00

Other conditions will remain same.

Superintending Engineer
PWD Bilaspur Circle
Bilaspur (C.G.)

G- 262703807/2

रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में उतरेगी भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया ने पहले ही मैच में दी थी बड़ी हार

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ए क्रिकेट टीम इस वक्त भारत के दौरे पर है, यहां तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जा रही है, जो कि अनाधिकारिक हैं। इस सीरीज के दौरान भारतीय ए टीम की कमान रुतुराज गायकवाड संभाल रहे हैं। पहले ही मैच में भारतीय टीम को करारी हार का सामना करना पड़ा था। अब टीम दूसरे मैच के लिए तैयारी कर रही है, जो कि पुडुचेरी में खेला जाएगा। पहले मैच में भारत के लिए इंटरनेशनल मैच खेल चुके खिलाड़ी मैदान में उतरे, लेकिन कोई खास प्रदर्शन नहीं कर सके।



भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जा रही है। पहले मैच में भारतीय टीम को 125 रनों की करारी शिकस्त झेलनी पड़ी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 48.2 ओवर में 274 रन बनाए थे, यानी भारत को जीत के लिए केवल 275 रन ही बनाने थे, लेकिन टीम 31.4 ओवर में केवल 149 रन पर ही आउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया ए की ओर से नाथन मैकस्वीनी ने 135 बॉल पर 123 रनों की पारी खेली और टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाने में मदद की।

इस मैच में भारत के लिए ओपनिंग करने उतरे साई सुदर्शन केवल एक रन बनाकर आउट हो गए। दूसरे सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह 17 ही रन बना सके। देवदत्त पडिक्कल तो अपना खाता भी नहीं खोल पाए और शून्य पर आउट हो गए। कप्तान रुतुराज गायकवाड 30 बॉल पर 15 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। रजत पाटीदार ने जरूर 51 बॉल पर 53 रनों की एक जुझारू पारी खेली, लेकिन वे अकेले टीम को जीत नहीं दिला सकते थे। बाकी कोई बड़ा बल्लेबाज रन नहीं बना सका।

सीरीज का दूसरा मैच 9 अक्टूबर को खेला जाएगा

इस वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला 9 अक्टूबर यानी शुक्रवार को होना है। इसके बाद आखिरी मुकाबला 11 अक्टूबर को होना है। भारतीय टीम की कोशिश होगी कि दूसरा मुकाबला जीतकर सीरीज को बराबरी पर लाया जाए, लेकिन अगर ऑस्ट्रेलिया ने इस मैच को भी जीत लिया तो फिर सीरीज हाथ से चली जाएगी। देखना होगा कि भारतीय बल्लेबाज और गेंदबाज कैसा प्रदर्शन करते हैं।

कप्तान ने अचानक छोड़ दी टेस्ट टीम की कमान, जनवरी 2024 में ही मिली थी धनंजय डिसिल्वा को जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका क्रिकेट टीम के टेस्ट कप्तान धनंजय डिसिल्वा ने अचानक कप्तानी छोड़ने का ऐलान कर दिया है। जनवरी 2024 में ही उन्हें टीम की कमान सौंपी गई थी, अब इतने कम वक्त में ही उन्होंने इस जिम्मेदारी को छोड़ने का ऐलान किया है। धनंजय ने श्रीलंका क्रिकेट की सिलेक्शन कमेटी को एक चिट्ठी लिखकर कप्तानी छोड़ने की बात कही है। उनका मानना है कि अब ये जिम्मेदारी किसी नए खिलाड़ी को दी जानी चाहिए।



धनंजय डिसिल्वा ने श्रीलंका की टेस्ट कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने इस बारे में सूचना दे दी है। हालांकि उन्होंने भी साफ किया के खिलाड़ी के तौर पर वे आगे भी खेलते रहेंगे। इस बीच खबर है कि श्रीलंका क्रिकेट के सीईओ ने इसे स्वीकार कर लिया है और धनंजय को भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएं भी दी हैं। डिसिल्वा की कप्तानी में श्रीलंका क्रिकेट टीम ने 18 मुकाबले खेले और इसमें से सात में टीम जीतने में भी कामयाब रही। इस दौरान उनकी बल्लेबाजी भी काफी अच्छी रही।

इस बीच धनंजय डिसिल्वा ने श्रीलंका के लिए अब तक तीनों फॉर्मेट में खेला है। उन्होंने साल 2015 में सबसे पहले टी20 इंटरनेशनल में डेब्यू किया था। उसके बाद उन्हें वनडे और टेस्ट भी खेलने का मौका मिला। यानी उनका करियर अब करीब 11 साल का हो रहा है। डिसिल्वा ने अब तक श्रीलंका के 69 टेस्ट मैच खेलीकर 4431 रन बनाए हैं और इसमें 13 शतक व 20 अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा 93 वनडे मैच खेलकर वे अब तक 1924 रन बना चुके हैं। यहां उनके नाम 10 अर्धशतक हैं। 48 टी20 इंटरनेशनल मैच खेलकर डिसिल्वा 890 रन बनाने में कामयाब रहे हैं। यहां उन्होंने तीन अर्धशतक लगाए हैं।

दमुथ करुणारत्ने के बाद धनंजय डिसिल्वा को कप्तानी दी गई थी। इस बीच अभी तक श्रीलंका क्रिकेट की ओर से नए कप्तान का ऐलान नहीं किया गया है। टीम को नवंबर में पाकिस्तान के खिलाफ दो टेस्ट मैच खेलने हैं, जो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तहत खेले जाएंगे, उसमें श्रीलंकाई टीम नए कप्तान के साथ मैदान में उतरेगी। ये सीरीज काफी अहम होगी। माना जा रहा है कि कुसल मेंडिस को टीम की कप्तानी दी जा सकती है। जहां एक ओर धनंजय की उम्र अब करीब 35 साल हो चुकी है, वहीं कुसल मेंडिस 31 साल के हैं।

कगिसो रबाडा की फिटनेस पर आया ताजा अपडेट डरबन टेस्ट से पहले आखिरी वक्त तक होगा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज होने वाला है, लेकिन मेजबान टीम के सामने सबसे बड़ा सवाल उसके स्टार तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा को लेकर है। रबाडा ने 7 अक्टूबर को डरबन में टीम के साथ अभ्यास किया, जिससे उनकी वापसी की उम्मीद बढ़ी है। हालांकि, पहले टेस्ट में उनके खेलने को लेकर अंतिम फैसला अब भी नहीं हुआ है। दोनों टीमों के बीच पहला टेस्ट 9 अक्टूबर से डरबन में खेला जाना है। माना जा रहा है कि साउथ अफ्रीका रबाडा को मैच शुरू होने तक अपनी फिटनेस साबित करने का पूरा मौका देगा। 31 साल के तेज गेंदबाज अगस्त में ट्रेनिंग के दौरान हैमस्ट्रिंग चोटिल होने के बाद से क्रिकेट से दूर हैं।

अच्छी दिशा में बढ़ रही रबाडा की रिकवरी

रबाडा ने आखिरी बार मई के अंत में IPL में गुजरात टाइटंस के लिए मुकाबला खेला था। इसके बाद से वह किसी भी स्तर पर क्रिकेट नहीं खेल पाए हैं। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले उनकी मैच फिटनेस को लेकर टीम मैनेजमेंट कोई जोखिम नहीं लेना चाहता। साउथ अफ्रीका के कोच शुक्री कॉनराड ने पिछले महीने बताया था कि रबाडा की रिकवरी अच्छी दिशा में आगे बढ़ रही है। बुधवार को डरबन में ट्रेनिंग के दौरान उन्हें नेट्स में गेंदबाजी करते हुए भी देखा गया। हालांकि, टीम के अनुभवी स्पिनर साइमन हार्मर ने साफ किया कि रबाडा के खेलने पर फैसला टेस्ट शुरू होने के करीब ही लिया जाएगा। हार्मर ने कहा कि हर कोई चाहता है कि वह खेले। दर्शक, ड्रेसिंग रूम में हम लोग और ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी भी। उन्हें वास्तव में नहीं पता कि वह इस समय कितने फिट हैं। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें यकीन है कि मैच के जितना करीब संभव होगा, उतना करीब जाकर फैसला लिया जाएगा। उन्होंने हर सीजन खुद को वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी साबित किया है और उनके टीम में होने से हमारी टीम निश्चित तौर पर मजबूत होगी।

PBKS को लगा झटका, जेम्स होप्स और ब्रैड हैडिन ने छोड़ा साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। IPL 2027 की तैयारियों के बीच पंजाब किंग्स के सामने टीम को मैदान पर उतारने से पहले ही एक बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। रिकी पोंटिंग की अगुवाई वाले कोचिंग स्टाफ में लगातार बदलाव हो रहे हैं। स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले के जाने के बाद अब दो और ऑस्ट्रेलियाई कोचों ने फ्रेंचाइजी का साथ छोड़ दिया है। ऐसे में पंजाब किंग्स को अगले सीजन से पहले कम से कम तीन नए कोचिंग स्टाफ मेंबर की तलाश करनी पड़ सकती है। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, पंजाब किंग्स के फील्डिंग कोच ब्रैड हैडिन और तेज गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स ने हाल ही में फ्रेंचाइजी को अपने फैसले की जानकारी दी। दोनों के जाने के बाद टीम मैनेजमेंट ने उनके विकल्प तलाशने शुरू कर दिए हैं। माना जा रहा है कि हैडिन और होप्स दोनों को बिग बैश लीग यानी BBL में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर-बल्लेबाज ब्रैड हैडिन पंजाब किंग्स के फील्डिंग कोच थे, जबकि पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जेम्स होप्स टीम के गेंदबाजी कोच की भूमिका निभा रहे थे। होप्स को रिकी पोंटिंग का करीबी माना जाता है। वह पोंटिंग के साथ ही दिल्ली कैपिटल्स से पंजाब किंग्स पहुंचे थे। दूसरी ओर, हैडिन पिछले कोचिंग सेटअप से टीम के साथ बने हुए थे, जब ट्रेवर बेलिस फ्रेंचाइजी की कमान संभाल रहे थे।

IPL से पहले करनी होगी 3 नए कोचों की तलाश



रिकी पोंटिंग के कंधों पर बढ़ा भार

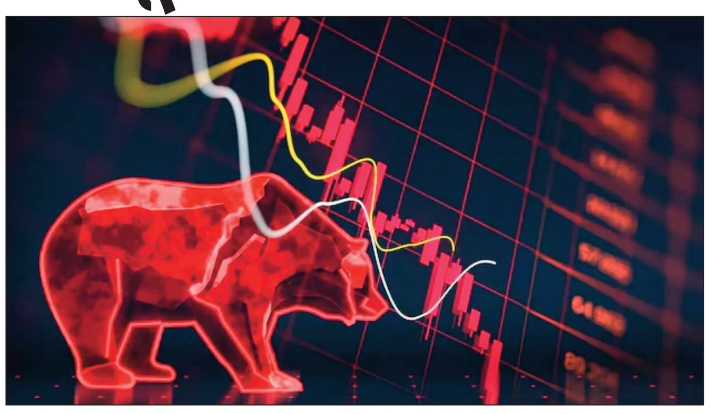
अब नए कोचों की नियुक्ति की जिम्मेदारी मुख्य रूप से रिकी पोंटिंग के हाथों में होगी। सूत्रों के मुताबिक, फ्रेंचाइजी मैनेजमेंट पोंटिंग के संपर्क में है और संभावित उम्मीदवारों को लेकर चर्चा की जा रही है। मैनेजमेंट कुछ नाम सुझा सकते हैं, लेकिन अंतिम फैसला हेड कोच पोंटिंग ही करेंगे। एक सूत्र ने कहा कि हेड कोच ही इस पर फैसला लेंगे।

फ्रेंचाइजी की कोशिश है कि दिसंबर में होने वाले IPL ऑक्शन से पहले नए कोचिंग स्टाफ को अंतिम रूप दे दिया जाए। हालांकि, इसके लिए पोंटिंग की उम्मीदवारों के साथ बातचीत और इंटरव्यू के बाद ही अंतिम फैसला लिया जाएगा। इससे पहले साईराज बहुतुले ने भी IPL के 19वें सीजन के तुरंत बाद पंजाब किंग्स का साथ छोड़ दिया था। बहुतुले इससे पहले राजस्थान रॉयल्स के कोचिंग सेटअप का हिस्सा रह चुके थे। उन्होंने सुनील जोशी की जगह ली थी, जो बाद में बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में स्पिन गेंदबाजी कोच बने।

व्यापार

सेंसेक्स 800 अंक टूटा, 3 घंटे में निवेशकों के डूब गए 8 लाख करोड़

मुंबई (एजेंसी)। बाजार खुलने के कुछ ही घंटों में गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में ऐसा भूचाल आया कि निवेशकों की चिंता बढ़ गई। सेंसेक्स 800 अंक से ज्यादा टूटकर 71,800 के नीचे पहुंच गया, जबकि निफ्टी भी 300 से अधिक अंक फिसल गया। इस तेज गिरावट के बीच BSE पर लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप करीब ₹8 लाख करोड़ घट गया।



गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में एक बार फिर तेज बिकवाली देखने को मिली। कारोबार शुरू होने के करीब तीन घंटे के भीतर सेंसेक्स 800 से ज्यादा अंक टूटकर 71,800 के नीचे पहुंच गया, जबकि निफ्टी 50 भी 300 से ज्यादा अंक गिरकर 22,300 के स्तर से नीचे आ गया। इस अचानक आई गिरावट ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी। बाजार में कमजोरी के चलते BSE पर लिस्टेड कंपनियों के कुल मार्केट कैप में करीब ₹8 लाख करोड़ की कमी आ गई। आखिर ऐसी क्या वजह रही कि कुछ ही घंटों में बाजार में इतनी बड़ी भगदड़ मच गई?

RBI के सख्त रुख से बढ़ी चिंता

शेयर बाजार में गिरावट की सबसे बड़ी वजहों में RBI का ताजा फैसला शामिल है। केंद्रीय बैंक ने तीन साल बाद पहली बार रेपो रेट में बढ़ोतरी की है। इसके साथ ही RBI ने अपनी नीति का रुख न्यूट्रल से बदलकर कैलिब्रेटेड टाइटनिंग कर दिया। इसका मतलब है कि महंगाई को नियंत्रित करने के लिए आने वाले समय में भी सख्त कदम उठाए जा सकते हैं। इससे निवेशकों में ब्याज दरों को लेकर चिंता बढ़ी है।

अमेरिकी बॉन्ड यील्ड ने बढ़ाया दबाव

ग्लोबल बाजारों में बॉन्ड की बिकवाली के बीच अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में भी तेज उछाल आया है। 30 साल के अमेरिकी बॉन्ड की यील्ड 5.71% से ऊपर पहुंच गई, जबकि 10 साल की यील्ड 5.3% और 2 साल की यील्ड करीब 4.9% रही। यील्ड बढ़ने पर बॉन्ड निवेशकों के लिए ज्यादा आकर्षक हो सकते हैं। ऐसे में शेयर बाजार से पैसा निकलने का दबाव बढ़ता है।

102 डॉलर के पार पहुंचा क्रूड

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव ने कच्चे तेल की कीमतों को भी ऊपर धकेला है। ब्रेंट क्रूड 102 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा कच्चे तेल का आयात करता है। ऐसे में महंगा तेल महंगाई और कंपनियों की लागत बढ़ा सकता है। इसका असर बाजार के सेंटीमेंट पर भी पड़ता है।

FII की लगातार बिकवाली

विदेशी निवेशकों की बिकवाली ने भी बाजार पर दबाव बढ़ाया है। NSE के आंकड़ों के मुताबिक, बुधवार को FII ने 6,121 करोड़ रुपये से ज्यादा के भारतीय शेयर बेचे। इसके साथ ही लगातार नौ कारोबारी सत्रों में उनकी कुल बिकवाली करीब ₹57,000 करोड़ पहुंच गई।

सितंबर की शुरुआत से 25 में से 20 कारोबारी सत्रों में FII नेट सेलर रहे हैं। यानी घरेलू बाजार में वैश्विक और घरेलू दोनों मोर्चों से दबाव बना हुआ है।

इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बिक्री में 74% की बंपर बढ़ोतरी, सितंबर में बिके रिकॉर्ड 3.33 लाख EV

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में इलेक्ट्रिक गाड़ियों (EV) की डिमांड लगातार तेजी से बढ़ रही है। देश की जनता का एक हिस्सा ऐसा भी है, जो अब पेट्रोल, डीजल और सीएनजी के झमेले से दूरी बनाकर इलेक्ट्रिक गाड़ियों की ओर रुख कर रहा है। यही वजह है देश में इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बिक्री लगातार रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड बना रही है। सितंबर में इलेक्ट्रिक गाड़ियों (EV) की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 74 प्रतिशत बढ़कर 3.33 लाख के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। सितंबर में इलेक्ट्रिक कार की बिक्री भी करीब दोगुनी हो गई। ऑटोमोबाइल डीलरों के संगठन FADA ने बुधवार को इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बिक्री से जुड़े मासिक आंकड़े जारी किए। आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में देशभर में कुल 3,33,364 इलेक्ट्रिक गाड़ियां बिकीं, जबकि पिछले साल सितंबर में कुल 1,91,497 इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बिक्री हुई थी। इस दौरान इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल की खुदरा बिक्री 36,108 यूनिट रही, जो अब तक का उच्चतम स्तर है। एक साल पहले की समान अवधि में 18,559 यूनिट की बिक्री हुई थी। फेडरेशन ऑफ़ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन्स (FADA) के अध्यक्ष साई गिरिधर ने कहा कि सितंबर में सभी कैटेगरी में इलेक्ट्रिक गाड़ियों की खुदरा बिक्री का ये अबतक का सबसे ज्यादा मासिक स्तर है। इससे गाड़ियों की कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक गाड़ियों की हिस्सेदारी करीब 13 प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले 10 प्रतिशत थी।

PNB, बैंक ऑफ बड़ौदा, इंडियन बैंक समेत कई बैंकों ने महंगा किया लोन



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा बुधवार को रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी के बाद देश के कई बैंकों ने लोन की ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर दी है। बुधवार को रेपो रेट बढ़ाए जाने के बाद पंजाब नेशनल बैंक (PNB), इंडियन बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा समेत कई बड़े बैंकों ने अपनी लोन की ब्याज दरों में 0.25 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की घोषणा कर दी है। यानी, इन बैंकों से लोन लेने वाले ग्राहकों के लिए कर्ज महंगा हो जाएगा।

5.50 प्रतिशत हुआ रेपो रेट

आरबीआई ने बुधवार को रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर इसे 5.50 प्रतिशत कर दिया। ये करीब 4 साल में पहली बढ़ोतरी है। रिजर्व बैंक ने महंगाई बढ़ने और रुपये में जारी गिरावट के बीच आगे भी रेपो रेट में बढ़ोतरी के संकेत दिए हैं।

पीएनबी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि आरबीआई की रेपो दर बढ़ाए जाने के बाद उसने रेपो से जुड़ी ब्याज दर (RLLR) को 8.10 प्रतिशत से बढ़ाकर 8.35 प्रतिशत कर दिया है। नई दर 8 अक्टूबर से लागू होगी। हालांकि, देश के दूसरे सबसे बड़े पब्लिक सेक्टर के बैंक पीएनबी ने कहा कि उसकी सीमांत लागत आधारित ऋण दर (MCLR) और आधार दर में कोई बदलाव नहीं किया गया है। चेन्नई स्थित पब्लिक सेक्टर के इंडियन बैंक ने भी अपनी रेपो से जुड़ी बेंचमार्क ऋण दर (RBLR) को 7.95 प्रतिशत से बढ़ाकर 8.20 प्रतिशत कर दिया है।

और ज्यादा खराब हो सकते हैं वैश्विक आर्थिक हालात, RBI दिसंबर में 0.50% बढ़ा सकता है रेपो रेट: एसबीआई रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने बुधवार को रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने की घोषणा की। इस ताजा बढ़ोतरी के बाद रेपो रेट अब 5.25 प्रतिशत से बढ़कर 5.50 प्रतिशत हो गया है। केंद्रीय बैंक ने करीब 4 साल में पहली बार रेपो रेट में बढ़ोतरी की है। रेपो रेट में बढ़ोतरी से सभी तरह के लोन महंगे हो जाएंगे। बताते चलें कि आरबीआई की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी ने मौजूदा महंगाई को ध्यान में रखते हुए रेपो रेट में बढ़ोतरी करने का फैसला किया।

इससे पहले फरवरी, 2023 में रेपो दर में की गई थी 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी

इससे पहले, आरबीआई ने फरवरी, 2023 में रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी की थी, जिसके बाद रेपो रेट बढ़कर 6.50 प्रतिशत हो गया था। हालांकि, अर्थशास्त्रियों का मानना है कि आरबीआई अगली मौद्रिक नीति समीक्षा में इससे भी कड़ा फैसला लेते हुए रेपो रेट में 0.50 प्रतिशत की बड़ी बढ़ोतरी कर सकता है।



दिसंबर में रेपो रेट में की जा सकती है 0.50 प्रतिशत की बढ़ोतरी

भारतीय स्टेट बैंक (SBI) के अर्थशास्त्रियों के मुताबिक, RBI दिसंबर में होने वाली अगली मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो दर में 0.50 प्रतिशत की बड़ी बढ़ोतरी कर सकता है। एसबीआई के अर्थशास्त्रियों ने कहा कि रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ मौद्रिक नीति के रुख को 'सूझ-बूझ भरी सख्ती' की ओर बदलना आरबीआई की ओर से स्पष्ट संकेत है।

आने वाले समय में वैश्विक आर्थिक परिस्थितियां ज्यादा अस्थिर होने की आशंका

एसबीआई ने एक रिपोर्ट में कहा कि महंगाई बढ़ने की मौजूदा स्थिति को देखते हुए दिसंबर की मीटिंग में रेपो दर में 0.50 प्रतिशत की बड़ी बढ़ोतरी की जा सकती है। हालांकि, ये फैसला उस समय की वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। एसबीआई के अनुसार, आने वाले समय में वैश्विक आर्थिक परिस्थितियां ज्यादा अस्थिर हो सकती हैं। ऐसे में रेपो रेट को मौजूदा 5.50 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.00 प्रतिशत करना बेहतर विकल्प होगा।

अक्टूबर और दिसंबर में रेपो रेट बढ़ने की भविष्यवाणी कर चुके थे अर्थशास्त्री

आरबीआई की बुधवार की बैठक से पहले भी कई अर्थशास्त्री इसकी उम्मीद कर रहे थे कि केंद्रीय बैंक आज अक्टूबर और दिसंबर में होने वाली बैठक में 0.25-0.25 प्रतिशत की दो बढ़ोतरी कर सकता है। एसबीआई की रिपोर्ट में रुपये को मजबूत करने के लिए स्पष्ट एआई नीति बनाने की जरूरत पर भी जोर दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, ऐसी नीति से देश में विदेशी पूंजी का प्रवाह बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

एयरटेल के पोस्टपेड प्लान में मुफ्त अंतरराष्ट्रीय रोमिंग की मिलेगी सुविधा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारती एयरटेल ने नए पोस्टपेड प्लान लॉन्च किए हैं, जिनमें ग्राहकों को हर साल एक अंतरराष्ट्रीय यात्रा के दौरान मुफ्त रोमिंग की सुविधा मिलेगी। यह लाभ 8 अक्टूबर से उपलब्ध होगा। मुफ्त रोमिंग पैक में 5 जीबी डेटा, 60 मिनट कॉलिंग, 25 आउटगोइंग एसएमएस और इनकमिंग एसएमएस की सुविधा पांच दिनों के लिए मिलेगी। ग्राहक अपनी जरूरत के अनुसार पांच दिन का पैक एक्टिवेट कर सकेंगे। फैमिली पोस्टपेड प्लान में शामिल प्रत्येक सदस्य को भी यह लाभ मिलेगा। कंपनी के अनुसार, नए प्लान में अनलिमिटेड डेटा, 5जी पर फास्ट लेन तकनीक और स्पैम व फ्रॉड से नेटवर्क स्तर की सुरक्षा भी शामिल है। मौजूदा ग्राहक एयरटेल ऐप या स्टोर से प्लान अपग्रेड कर सकते हैं।

शिक्षा विभाग की अजब पदस्थापना: जहां शिक्षक की जरूरत वहां पद खाली, छुरा में एक ही विषय के दो व्याख्याता!



गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले की शिक्षा व्यवस्था में पदस्थापना को लेकर एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ओर मैनपुर विकासखंड का लाटापारा हाईस्कूल शिक्षकों की कमी से जूझ रहा है और एक शिक्षक के भरोसे स्कूल संचालित होने की बात सामने आ रही है, वहीं दूसरी ओर सेजेस स्वामी आत्मानंद हिंदी माध्यम स्कूल छुरा में जीव विज्ञान विषय के दो-दो व्याख्याताओं की पदस्थापना कर दी गई है। जानकारी के अनुसार सेजेस स्वामी आत्मानंद हिंदी माध्यम स्कूल छुरा में जीव विज्ञान की व्याख्याता मनीषा गोयल की पोस्टिंग पहले से ही मंत्रालय स्तर से हो चुकी है। इसके बावजूद जिला शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार चंद्राकर द्वारा जीव विज्ञान के व्याख्याता श्री ध्रुव की पदस्थापना भी इसी स्कूल में कर दी गई।

बताया जा रहा है कि श्री ध्रुव जिला शिक्षा अधिकारी के विकल्प में आए थे और उन्हें मैनपुर विकासखंड के लाटापारा हाईस्कूल में पदस्थ किया जाना था। इसके बावजूद उनकी पदस्थापना छुरा के उसी स्कूल में कर दी गई, जहां पहले से ही जीव विज्ञान विषय की व्याख्याता मौजूद हैं।

लाटापारा में शिक्षक का इंतजार, छुरा में दो व्याख्याता

एक तरफ लाटापारा हाईस्कूल में शिक्षकों की कमी से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होने की स्थिति बनी हुई है। ग्रामीण लंबे समय से स्कूल में पर्याप्त शिक्षकों की मांग कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर छुरा के स्कूल में एक ही विषय के दो व्याख्याताओं की पदस्थापना ने विभाग की शिक्षक वितरण व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों में शिक्षकों की कमी के बावजूद जरूरत के मुताबिक पदस्थापना नहीं होने से विद्यार्थियों और अभिभावकों में नाराजगी बढ़ रही है।

ग्रामीणों में बढ़ता आक्रोश, चक्काजाम की तैयारी

लाटापारा के ग्रामीण शिक्षकों की मांग को लेकर लगातार आवाज उठा रहे हैं। जानकारी के अनुसार अब ग्रामीणों द्वारा शिक्षकों की मांग को लेकर चक्काजाम की तैयारी की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल में पर्याप्त शिक्षक नहीं होने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। ऐसे में शिक्षा विभाग को तत्काल लाटापारा हाईस्कूल की स्थिति सुधारते हुए आवश्यक शिक्षकों की पदस्थापना करनी चाहिए।

शिक्षा विभाग की इस पदस्थापना व्यवस्था से एक ओर जरूरतमंद स्कूल शिक्षक के लिए तरस रहा है, तो दूसरी ओर एक ही स्कूल में एक ही विषय के दो व्याख्याता पदस्थ हो गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बच्चों के भविष्य से जुड़े इस मामले में विभाग को तत्काल संज्ञान लेते हुए लाटापारा हाईस्कूल में पर्याप्त शिक्षकों की पदस्थापना करनी चाहिए, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो।

लगातार तीसरी बार टीबी मुक्त पंचायत घोषित होने पर सरपंच आरती त्रिलोक कोशले का सम्मान



लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। विश्व टीवी दिवस के अवसर पर जिला कलेक्टर परिसर जनदर्शन सभा कक्ष हाल में टीवी मुक्त पंचायत अभियान कार्यक्रम अंतर्गत जिला स्तरीय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुन्नूलाल मोहले स्थानीय विधायक पूर्व खाद्य मंत्री छत्तीसगढ़ शासन ,कार्यक्रम के अध्यक्षता श्रीकांत पांडे अध्यक्ष जिला पंचायत मुंगेली एवं सम्मानित अधिकारीगण अतिरिक्त कलेक्टर निष्ठा पाण्डेय तिवारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के सभी डॉक्टर गणों के कर कमलो से कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया ।

इसके पश्चात सरपंच गणों का स्वागत सम्मान किया गया।

टीबी की गंभीरता के बारे में जागरूक करना और उसकी रोकथाम को बढ़ावा देना है इस दिन विभिन्न स्वास्थ्य संगठनों सरकारों की विभिन्न संस्थाओं द्वारा टीबी के लक्षण इलाज और उनसे जुड़ी जानकारी दी जाती है,ताकि इस बीमारी को जड़ से खत्म किया जा सके। टीबी से संबंधित आवश्यक जानकारी विशेष रूप से बताया कि विश्व क्षय दिवस 24 मार्च को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा ग्राम पंचायत जोतपुर विकासखंड लोरमी को लगातार तीसरी बार टीबी मुक्त ग्राम पंचायत घोषित किए गए। इसके लिए आरती त्रिलोक कोशले सरपंच ग्राम पंचायत जोतपुर को गांधी प्रतिमा गोल्डन एवं प्रशस्ति पत्र पूर्व खाद्य मंत्री एवं विधायक पुन्नू लाल मोहले श्रीकांत पांडे अध्यक्ष जिला पंचायत मुंगेली,जिला प्रशासन के अधिकारी गण मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी एवं स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर गणों के द्वारा सम्मानित किया गया ।

सम्मान होने पर सरपंच आरती कोशले ने कहा कि यह सम्मान विगत 3 वर्षों से लगातार ग्राम पंचायत को प्राप्त हो रही है इसके लिए ग्राम पंचायत जोतपुर में कार्यरत स्वास्थ्य विभाग प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरमपुर उप स्वास्थ्य केंद्र के सीएचओ सुषमा बिंझवार,एनएम किरण साहू स्टाफ नर्स संध्या बंजारे,आनंद खांडेकर एमटी,मितानिन ललिता कुर्रे,राजकुमारी खांडेकर,तीजन टंडन को श्रेय जाता है।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत जोतपुर के उपसरपंच तारन कोशले,पंच भुनेश्वर रावल,वरिष्ठ सदस्य हेमंत खांडेकर,पूर्व उपसरपंच धरम कोशले,पूर्व पंच वैज्ञानिक बांधे,ललित घृतलहरे इत्यादि उपस्थित रहे।

महतारी वंदन योजना बनी रामदई कुलदीप के लिए सहारा

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से संचालित महतारी वंदन योजना जरूरतमंद महिलाओं के लिए आर्थिक सहारे का माध्यम बन रही है। योजना के तहत मिलने वाली नियमित आर्थिक सहायता से महिलाएं अपनी व्यक्तिगत जरूरतों के साथ-साथ स्वास्थ्य, दवा और परिवार से जुड़ी आवश्यकताओं को पूरा कर पा रही हैं। नारायणपुर जिले के ग्राम बेनूर निवासी श्रीमती रामदई कुलदीप के जीवन में भी यह योजना आर्थिक संबल का महत्वपूर्ण माध्यम बनी है।

श्रीमती रामदई कुलदीप बताती हैं कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से उन्हें नियमित रूप से आर्थिक सहायता प्राप्त हो रही है। इस राशि का उपयोग वे अपनी जरूरत के अनुसार दवाइयां खरीदने और इलाज से संबंधित खर्चों को पूरा करने में करती हैं। स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं के लिए समय पर राशि उपलब्ध होने से उन्हें काफी सुविधा मिल रही है। पहले छोटी-छोटी जरूरतों अथवा इलाज के खर्च के लिए उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता था, लेकिन योजना से मिलने वाली सहायता ने उनकी इन चिंताओं को कुछ हद तक कम किया है।

रामदई कुलदीप के अनुसार, योजना से प्राप्त राशि केवल स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों तक सीमित नहीं है, बल्कि घर की रोजमर्रा की आवश्यकताओं को पूरा करने में भी उपयोगी साबित हो रही है। घरेलू जरूरतों के समय यह राशि उनके लिए अतिरिक्त आर्थिक सहारा प्रदान करती है। इससे उन्हें अपनी आवश्यकताओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने में मदद मिल रही है। उन्होंने बताया कि नियमित आर्थिक सहायता मिलने से महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ रहा है। परिवार की छोटी-बड़ी जरूरतों के लिए पूरी तरह दूसरों पर निर्भर रहने की स्थिति में भी कमी आती है। अपने स्वास्थ्य और दैनिक आवश्यकताओं के लिए स्वयं खर्च करने की क्षमता महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

सेवा के रंग राष्ट्र के संग : 76 X 76 फीट का रंगोली मिशन



गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। सेवा के रंग राष्ट्र के संग 76 X 76 फिट रंगोली मिशन चंद्रयान पर दिनांक 07 अक्टूबर 2026 को पुलिस ग्राउंड जिला गरियाबंद मे आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष एव महासमुंद सांसद रूपकुमारी चौधरी, राजिम विधायक रोहित साहू, पूर्व कृषि मंत्री चंद्रशेखर साहू, गरियाबंद जिला भाजपा संगठन प्रभारी अमित चिमनानी, पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष नेहरू निषाद, भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर, पूर्व विधायक संतोष उपाध्याय, गोवर्धन मांझी, डमरूधर पुजारी, जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप, नगर पालिका अध्यक्षद्वय रिखीराम यादव, महेश यादव, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी, श्वेता शर्मा, जिला महामंत्री आशीष शर्मा शासकीय वीर सुरेन्द्रसाय महाविद्यालय गरियाबंद के प्राचार्य तथा राष्ट्र रंगोली के नोडल डां. आर.के तलवरे मौजूद रहे।

शिक्षिका ओमेश्वरी साहू को मिला राष्ट्रीय स्तर का शिक्षा ज्योति सम्मान

विश्व शिक्षक दिवस पर देश भर के 128 उत्कृष्ट शिक्षकों के साथ ऑनलाइन कार्यक्रम में हुईं सम्मानित हुईं



गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। विश्व शिक्षक दिवस 05 अक्टूबर 2026 के पावन अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों के सम्मान में एक भव्य राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस गरिमामय समारोह में देश के विभिन्न राज्यों के 128 चयनित शिक्षकों को 'शिक्षा ज्योति सम्मान' से विभूषित किया गया।

इसी क्रम में शासकीय प्राथमिक विद्यालय आसरा विकासखण्ड छुरा जिला गरियाबंद, छत्तीसगढ़ की कर्मठ एवं समर्पित शिक्षिका श्रीमती ओमेश्वरी साहू (राज्यपाल पुरस्कृत)को शिक्षा के क्षेत्र में उनके अभिनव प्रयोगों, नवाचारी शिक्षण विधियों एवं उत्कृष्ट शिक्षण योगदान के लिए इस प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा गया है। यह सम्मान कार्यक्रम की मुख्य आयोजक 'शिक्षा ज्योति' की संस्थापक अर्चना शर्मा एवं अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार छत्तीसगढ़ के जनरल सेक्रेटरी डॉ. राघवेंद्र सिंह राठौर द्वारा संयुक्त रूप से ऑनलाइन मंच के माध्यम से प्रदान किया गया। आयोजकों ने प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए कहा कि श्री मति ओमेश्वरी साहू जी ने ग्रामीण अंचल में डिजिटल शिक्षण , गतिविधि शिक्षण एवं शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने और विद्यार्थियों में ज्ञान व संस्कारों के संचार के लिए जो अनुकरणीय कार्य किया है, वह अत्यंत सराहनीय और प्रेरणादायी है। उनके निरंतर समर्पण, उत्तम स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आयोजकों ने उन्हें हार्दिक बधाई व मंगलकामनाएं प्रेषित कीं। शिक्षिका श्रीमती ओमेश्वरी साहू को यह सम्मान मिलने पर विद्यालय ,क्षेत्र के शिक्षाविदों, सहकर्मियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों में हर्ष का माहौल है। छत्तीसगढ़ के साथ मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, बिहार, राजस्थान, राज्यों के शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

10 दिन से भूख हड़ताल कर रहे अनिल को मनाने पहुंचा प्रशासन, बैरंग लौटा

नियम नहीं फिर भी तीसरी बार अनिल को मोटर ट्राइसाइकिल देने प्रशासन तैयार, फिर भी नहीं माना, चार मांगों की पड़ताल में सामने आई अलग तस्वीर



गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिला मुख्यालय के गांधी मैदान में 10 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे दिव्यांग अनिल यादव को मनाने बुधवार शाम प्रशासन की टीम पहुंची। नगर पालिका अध्यक्ष रिखी राम यादव के नेतृत्व में पहुंचे एसडीएम हितेश्वरी बागे, तहसीलदार मयंक अग्रवाल, नगर पालिका सीएमओ संध्या वर्मा, समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक ठाकुर और गरियाबंद रेंजर प्रांजलि मिश्रा ने उनकी मांगो को लेकर करीब दो घंटे तक बातचीत की। अधिकारियों ने एक-एक मांग पर स्थिति स्पष्ट की और उपलब्ध नियमों के तहत समाधान का रास्ता भी बताया, लेकिन अनिल अपनी मांगों पर कायम रहा और लिखित आश्वासन के बिना भूख हड़ताल समाप्त करने को तैयार नहीं हुआ। आखिरकार प्रशासन की टीम बैरंग लौट गई।

अनिल की मांगों में पक्का आवास, वन विभाग में किए गए कार्य की मजदूरी का भुगतान, मोटर ट्राइसाइकिल और आजीविका का स्थायी साधन शामिल है। इनमें मोटर ट्राइसाइकिल की मांग पर विभाग तत्काल पहल करने को तैयार हुआ, लेकिन जमीन और आवास के मामले में प्रशासन के सामने नियमों की बाध्यता है। जिसके चलते कोई निष्कर्ष नहीं निकला।

आवास की मांग

नगर पालिका सीएमओ संध्या वर्मा के अनुसार प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ लेने के लिए हितग्राही के पास स्वयं की भूमि होना जरूरी है। अनिल के पास भूमि नहीं है। नगरीय क्षेत्र में फिलहाल शासकीय जमीन का पट्टा देने अथवा भूमि आवंटित करने की कोई योजना भी नहीं है। ऐसे में प्रशासन न तो तत्काल जमीन देने का लिखित आश्वासन दे सकता है और न ही मौजूदा स्थिति में प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत कर सकता है।

वन विभाग की मजदूरी

रेंजर प्रांजलि मिश्रा के अनुसार अनिल यादव ने वर्ष 2017 तक वन विभाग में काम किया था और विभागीय रिकॉर्ड में उसका पूरा भुगतान हो चुका है। अनिल करीब 10 महीने की मजदूरी बकाया होने की बात कह रहा है, लेकिन इस दावे से संबंधित कोई दस्तावेज उसके पास नहीं है। विभाग के वर्तमान कर्मचारियों के पास भी उसके बताए समय में उसके द्वारा काम किए जाने की पुष्टि करने वाला रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। ऐसे में विभाग तत्काल बकाया भुगतान का लिखित आश्वासन देने की स्थिति में नहीं है।

मोटर ट्राइसाइकिल

समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक ठाकुर ने बताया कि अनिल को 31 अक्टूबर 2020 और 15 मार्च 2024 को ट्राइसाइकिल दी जा चुकी है। नियम के अनुसार 10 वर्ष में एक बार ट्राइसाइकिल देने का प्रावधान है। इसके बावजूद उसकी वर्तमान स्थिति को देखते हुए विभाग ने फिर ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराने सहमत है, एक बार वह इंकार कर दिया।

आजीविका की मांग

अनिल स्थायी आजीविका का साधन भी चाहता है। इस पर मौके पर कोई ठोस निर्णय नहीं हो सका।

पहली तीन मांगों पर ही करीब दो घंटे तक चर्चा चलती रही। धरनास्थल पर मौजूद लोगों ने भी अधिकारियों के सामने अपने-अपने तर्क रखे और अनिल को लिखित आश्वासन देने तथा आवास की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग करते रहे।

एसडीएम हितेश्वरी बागे ने बताया कि अनिल को पात्रता के अनुसार सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का आश्वासन दिया गया और भूख हड़ताल समाप्त करने के लिए समझाइश दी गई, लेकिन वह नहीं माना। फिलहाल प्रशासन रहने के लिए रैन बसेरा में रहने की व्यवस्था करने तैयार है, लेकिन वह तैयार नहीं है।

मौके पर पहुंचे कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुखचंद बेसरा ने कहा कि जिला मुख्यालय में पूरा प्रशासनिक अमला होने के बावजूद एक व्यक्ति 10 दिन से भूखा बैठा है, यह अच्छी बात नहीं है। प्रशासन को उसकी समस्याओं के जल्द निराकरण की दिशा में पहल करनी चाहिए।

अब देखना लाजमी होगा कि इस पूरे मामले में अब आगे क्या होता है। एक मांग पर विभाग तत्काल पहल करने को तैयार है और बाकी मांगों में जमीन, आवास पात्रता तथा भुगतान से जुड़े नियम अड़चन है। तो लिखित आश्वासन को लेकर गतिरोध कब और कैसे टूटेगा।

कलेक्टर नम्रता जैन ने जनदर्शन में सुनी ग्रामीणों की समस्याएं



नारायणपुर। कलेक्टर श्रीमती नम्रता जैन ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे ग्रामीणों एवं नागरिकों की समस्याएं, मांगें एवं शिकायतें सुनीं। जनदर्शन में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पुलिया, आंगनबाड़ी, राजस्व, रोजगार, छात्रावास एवं अन्य विकास कार्यों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के साथ समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग धमतरी
जिला-धमतरी (छ.ग.)
फोन- 07722-236704, (Office) E-mail-ee-res.dhamtari@nic.in

मैनुअल पद्धति निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 11

क्रमांक / 11/ निविदा/ग्रा.यां.से./26-27 धमतरी, दिनांक 07/10/2026

छत्तीसगढ के राज्यपाल की ओर से वीबी-जी राम जी एवं अन्य योजना के लिये लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदार अथवा वाणिज्यिकर विभाग में सामग्री प्रदाय हेतु पंजीकृत फर्म / डीलर से कार्य विभाग मैन्युअल के अपेडिक्स 2.15 के अनुसार प्रपत्र "सी" में पंजीकृत डाक द्वारा दो लिफाफा पद्धति में दिनांक 23.10.2026 को अपरान्ह 5:30 बजे तक निविदा आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा दिनांक 26.10.2026 को पूर्वान्ह 10:00 बजे से खोली जावेगी।

उपरोक्त निविदा की समस्त शर्तें व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है तथा विभागीय वेबसाईट http://cg.nic.in/resworks में दिनांक 09.10.2026 से देखी/डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियन्ता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग धमतरी
जिला-धमतरी (छ.ग.)

जी- 262703834/1

तेलीबांधा चौक का नाम नहीं बदला जा रहा किसी तरह का भ्रम न रखें : मुख्यमंत्री साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी



मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के तेलीबांधा चौक के नाम परिवर्तन को लेकर उत्पन्न भ्रम को स्पष्ट करते हुए कहा है कि तेलीबांधा चौक का नाम नहीं बदला जा रहा है। न तो चौक के नाम में कोई परिवर्तन किया जा रहा है और न ही उसके मूल स्वरूप के साथ किसी प्रकार की छेड़छाड़ की जा रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि प्रदेश में 38 स्थानों पर 'सेवा ज्योति संकल्प चौक' के तहत विकसित किए जाने की घोषणा की गई है। इनमें रायपुर का तेलीबांधा चौक भी शामिल है। उन्होंने कहा कि इसे लेकर किसी को भी भ्रम में नहीं रहना चाहिए। तेलीबांधा चौक का नाम यथावत रहेगा, इसे केवल 'सेवा ज्योति संकल्प' की भावना के अनुरूप विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर पूरे देश में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ में भी इसे 'सेवा संकल्प अभियान' के रूप में मनाया जा रहा है।उन्होंने बताया कि इसी क्रम में आज दुर्ग में आयोजित 'सेवा सेतु' कार्यक्रम में वे शामिल होंगे। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश की माताओं-बहनों के लिए संचालित महतारी वंदन योजना की 32वीं किस्त जारी की जाएगी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेश की सभी माताओं-बहनों को शुभकामनाएं दीं।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दुर्ग जिले को इस अवसर पर विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी कार्यों की सौगात भी मिलेगी। उन्होंने कहा कि सेवा, सुशासन और जनकल्याण की भावना के साथ राज्य सरकार छत्तीसगढ़ के प्रत्येक क्षेत्र और प्रत्येक वर्ग के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

डिप्टी सीएम अरुण साव ने महानदी पुल का किया औचक निरीक्षण, अधिकारियों को लगाई फटकार

रायपुर ■ दैनन्दिनी



उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने सरगुजा प्रवास के दौरान गुरुवार को सड़क, पुल और साफ-सफाई व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण किया। इसी क्रम में वे अंबिकापुर-प्रतापपुर-खड़गवां मार्ग पर स्थित महानदी पुल पहुंचे और मौके पर सड़क की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान पुल पर सड़क की खराब स्थिति देखकर उप मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों के प्रति नाराजगी जताई। उन्होंने अधिकारियों को मौके पर ही सड़क की स्थिति सुधारने और आवश्यक मरम्मत कार्य तत्काल कराने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री साव ने अधिकारियों से कहा कि "मैं आकर हर जगह बताऊं कि कहां गड़बड़ है और कहां मरम्मत करनी है, यह उचित नहीं है।" उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि अधिकारी नियमित रूप से सड़कों और पुल-पुलियों का निरीक्षण करें तथा जहां भी खामियां दिखाई दें, वहां समय पर सुधार कार्य कराया जाए। उन्होंने कहा कि आम लोगों की सुविधा और सुरक्षित आवागमन सरकार की प्राथमिकता है। सड़क निर्माण एवं रखरखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को मौके की स्थिति के अनुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।



बस्तर से सहकारिता का नया सूर्योदय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मां दंतेश्वरी की पावन धरा बस्तर जिले के जगदलपुर में भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सहकार से समृद्धि वर्कशॉप का भव्य शुभारंभ गुरुवार को हुआ। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में आयोजित यह नौवां सम्मेलन ऐतिहासिक महत्व रखता है, क्योंकि बस्तर में पहली बार किसी केंद्रीय मंत्रालय द्वारा इस स्तर का राष्ट्रीय विचार-मंथन आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन का मुख्य ध्येय सहकारिता आंदोलन के माध्यम से देश के सबसे दूरदराज, आकांक्षी और जनजातीय अंचलों के अंतिम व्यक्ति तक आर्थिक समृद्धि और विकास का लाभ पहुंचाना है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारत सरकार के सहकारिता सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी ने रेखांकित किया कि सहकारिता की सार्थकता तभी सिद्ध होगी जब इसका प्रभाव जमीनी स्तर पर अंतिम छोर तक दिखाई दे। असम में शांति बहाली के बाद आई विकास की गति का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि ठीक वैसा ही सकारात्मक और अभूतपूर्व बदलाव आज बस्तर की धरती पर भी महसूस किया जा रहा है। प्राथमिक कृषि साख समितियों को



ग्रामीण अर्थव्यवस्था की धुरी बताते हुए उन्होंने देश भर में दो लाख नई बहुउद्देशीय पैक्स की स्थापना, उनके पूर्ण डिजिटलीकरण, कॉमन सर्विस सेंटर के रूप में रूपांतरण और विश्व की सबसे बड़ी विकेंद्रीकृत अनाज भंडारण योजना को तेजी से लागू करने की आवश्यकता जताई। इसके साथ ही उन्होंने नाबार्ड, एनसीडीसी और एनडीडीबी जैसी शीर्ष संस्थाओं के सहयोग से पैक्स के विविधीकरण, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे आधुनिक क्षेत्रों में नए अवसर तलाशने और सहकारी बैंकिंग व्यवस्था के पारदर्शी व सुदृढ़ वित्तीय प्रबंधन पर विशेष बल दिया। छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव श्री विकास शील ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ते हुए सहकारिता को केवल पारंपरिक खाद व ऋण वितरण तक सीमित न रखकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विविधीकरण, प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन का सशक्त माध्यम बनाने का रोडमैप प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में अब तक 500 से अधिक नई बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख समितियों का गठन हो चुका है और डेयरी, मत्स्य पालन तथा लघु वनोपज के क्षेत्रों में भी इसी तर्ज पर तेजी से कार्य जारी है। इन समितियों को डिजिटल करने के साथ-साथ माइक्रो-एटीएम और सीएससी सुविधाओं से लैस किया गया है, जिससे ग्रामीण आबादी को नागरिक सेवाएं मिलने के साथ समितियों की आय भी बढ़ी है।

नशे के सौदागरों पर कमिश्नरेट पुलिस का शिकंजा,6 गिरफ्तार

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राजधानी रायपुर में सूखे नशे के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। पिछले 24 घंटे के दौरान गंज और आमानाका थाना क्षेत्रों में हुई दो अलग-अलग कार्रवाइयों में रायपुर कमिश्नरेट पुलिस ने कुल 127.309 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। इसकी कीमत करीब 64 लाख रुपये बताई गई है। दोनों मामलों में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक नाबालिग को भी पकड़ा गया है। कार्रवाई के दौरान तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे 3 मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, दोनों कार्रवाई एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स, एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और संबंधित थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने की। पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर) स्मृतिक राजनाला, पुलिस उपायुक्त (मध्य क्षेत्र) तारकेश्वर पटेल और पुलिस उपायुक्त (पश्चिम क्षेत्र) रॉबिनसन गुरिया की मॉनिटरिंग में इन मामलों में कार्रवाई की गई।

फाफाडीह में ऑटो से 82.51 किलो गांजा मिला-पहली कार्रवाई बुधवार 7 अक्टूबर 2026 को गंज थाना क्षेत्र में की गई। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स को सूचना मिली थी कि पचपेड़ी नाका की ओर से एक ऑटो में तीन लोग गांजा लेकर रेलवे स्टेशन की तरफ जा रहे हैं। सूचना के आधार पर टीम ने ऑटो की तलाश शुरू की। कुछ देर बाद संदिग्ध ऑटो फाफाडीह चौक स्थित यात्री प्रतीक्षालय के पास दिखाई दिया। पुलिस ने उसका पीछा कर उसे रोक लिया। ऑटो में तीन लोग सवार थे। पूछताछ में उनकी पहचान मुकुन्द शर्मा (उम्र 27 साल), गोपाल वर्मा उर्फ गोपी (उम्र 28 साल) और संतोष साहू (उम्र 34 साल) के रूप में हुई। पुलिस ने उनके पास रखे ट्रॉली बैग की तलाशी ली तो उसमें गांजा मिला। कार्रवाई में कुल 82.51 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। जब्त गांजे और अन्य सामान की कीमत करीब 41.25 लाख रुपये बताई गई है। इसके साथ तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे तीन मोबाइल फोन भी पुलिस ने जब्त किए। इस मामले में गंज थाने में अपराध दर्ज कर धारा 20(बी) नारकोटिक एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

टाटीबंध में 44.799 किलो गांजा के साथ तीन पकड़े गए-दूसरी कार्रवाई आज गुरुवार 8 अक्टूबर 2026 को आमानाका थाना क्षेत्र में हुई। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट को सूचना मिली थी कि टाटीबंध स्थित इस्कॉन टेंपल मोड़ के पास कुछ लोग गांजा लेकर ग्राहक की तलाश कर रहे हैं। सूचना मिलने के बाद एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और आमानाका पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। बताए गए हुलिये के आधार पर संदिग्धों की पहचान कर उन्हें पकड़ा गया। पूछताछ में दो आरोपियों की पहचान कान्हू डकुआ (उम्र 36 साल), निवासी ओडिशा और सुमित भट्टाचार्य (उम्र 36 साल), निवासी पश्चिम बंगाल के रूप में हुई। इनके साथ एक नाबालिग भी मिला। टीम ने उनके पास रखे बैग की तलाशी ली तो उसमें गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने कुल 44.799 किलोग्राम गांजा जब्त किया, जिसकी कीमत करीब 22.40 लाख रुपये बताई गई है। इस मामले में आमानाका थाने में अपराध दर्ज कर धारा 20(बी) नारकोटिक एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

दोनों मामलों में आरोपियों के लिंकेज खंगालेगी पुलिस-पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से गांजे की सप्लाई और डिलीवरी से जुड़े फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकेज के बारे में पूछताछ कर रही है। इसका मकसद यह पता लगाना है कि गांजा कहां से लाया गया था, किसे सप्लाई किया जाना था.

85 मामलों में 190 आरोपियों पर कार्रवाई

रायपुर कमिश्नरेट के मुताबिक, एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की टीमों ने अब तक एनडीपीएस एक्ट के 85 मामलों में 190 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन कार्रवाइयों में कुल करीब 6 करोड़ 31 लाख 2 हजार 810 रुपये कीमत का गांजा, ओशन ग्रो (गांजा), प्रतिबंधित नशीली टेबलेट, एमडीएमए, पार्टी पिल्स, कोकीन, प्रतिबंधित सिरप, डोडा, हेरोइन (चिट्टा), ब्राउन शुगर, अफीम, नकदी, वाहन, मोबाइल फोन, कट्टा, चाकू और अन्य सामान जब्त किए जाने की जानकारी पुलिस ने दी है।

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा तैयारी की समीक्षा

रायपुर ■ दैनन्दिनी

आयोग द्वारा स्थानीय निकायो के निर्वाचन के संबंध में निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी किया गया है, निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन 30 नवम्बर 2026 को किया जायेगा। आगामी आम एवं उप निर्वाचन की तैयारियों के संबंध में राज्य निर्वाचन आयोग में राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह द्वारा सामान्य प्रशासन विभाग, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से रिक्त पदों, आरक्षण, परिसीमन की अद्यतन जानकारी ली, साथ ही निर्वाचन हेतु आवश्यक मानव संसाधन की उपलब्धता की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में राज्य निर्वाचन आयोग की सचिव श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी, प्रमुख सचिव, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग श्री सोनमणि बोरा, सचिव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग श्री भीम सिंह, सचिव नगरीय प्रशासन श्री अविनाश चंपावत, संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास श्री निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर, संचालक पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्रीमती प्रियंका महोबिया उपस्थित रहे।



पंचायत निर्वाचन - सारंगढ़-बिलाईगढ़, कोरिया एवं कोंडागांव जिलों की 09 ग्राम पंचायतों में सरपंच तथा 126 पंच पदों का आम निर्वाचन प्रस्तावित हैं तथा जनपद पंचायत सदस्य का 01 रिक्त पद, सरपंच के 92 रिक्त पदों, पंच के 721 पदों के लिए उपनिर्वाचन कराया जाना है।

नगरीय निकाय निर्वाचन - नवगठित 02 नगर पंचायत तमनार, जिला रायगढ़ व नगर पंचायत बड़ी करेली, जिला धमतरी के साथ साथ नगरपालिक निगम भिलाई-चरौदा, रिसाली, जामुल एवं बिरगांव सहित ऐसे 15 नगरीय निकाय जिसमें आम निर्वाचन सम्पन्न कराया जाना है। इसके साथ ही एक अध्यक्ष पद (नगर पंचायत, बिलाईगढ़) एवं अलग-अलग निकायों के 06 वार्ड पार्षद का उप निर्वाचन भी कराया जाना है। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा सभी संबंधित विभागों एवं जिला प्रशासन को निर्वाचन से संबंधित समस्त तैयारियों को समन्वित रूप से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य निर्वाचन आयुक्त द्वारा निर्देशित किया गया कि आयोग का उद्देश्य स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुचारू निर्वाचन सुनिश्चित करना है इसलिए निर्वाचन संबधी समस्त अपेक्षित कार्यवाही समय सीमा में पूर्ण कर ली जाए।

वाणिज्यिक कर विभाग के 10 अधिकारियों का तबादला

रायपुर । छत्तीसगढ़ वाणिज्यिक कर विभाग में प्रशासनिक स्तर पर फेरबदल किया गया है। विभाग ने राज्य कर के 10 अधिकारियों का



तबादला करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारियां सौंपी हैं। तबादला सूची में संयुक्त आयुक्त स्तर के अधिकारियों के नाम शामिल हैं। अधिकारियों को अलग-अलग संभागों, मुख्यालय और अपील व ऑडिट से जुड़े पदों पर नई पदस्थापना दी गई है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का रायपुर दौरा: तैयारियों में जुटा रेलवे प्रशासन

रायपुर ■ दैनन्दिनी

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के रायपुर दौरे में बदलाव किया गया है। अब वे 12 अक्टूबर को रायपुर पहुंचेंगे। पहले रेल मंत्री के 9 अक्टूबर को रायपुर आने का कार्यक्रम था। अपने दौरे के दौरान वे रेलवे सुरक्षा बल (RPF) के 42वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल होंगे।

तैयारियों में जुटा रेलवे प्रशासन-रेल मंत्री के दौरे को लेकर रेलवे प्रशासन तैयारियों में जुटा हुआ है। हर दिन परेड की रिहर्सल कराई जा रही है। वहीं रायपुर रेलवे स्टेशन से लेकर आयोजन स्थल तक तैयारियां तेज कर दी गई हैं। अधिकारियों की टीम लगातार व्यवस्थाओं का जायजा ले रही है, ताकि कार्यक्रम के दौरान किसी तरह की कमी न रहे।

स्टेशन पर भी चल रहा निर्माण कार्य-रायपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर नए फुटओवर ब्रिज के लिए लिफ्ट लगाने का काम तेजी से चल रहा है। प्लेटफॉर्म की तरफ क्रेन के जरिए काम किए जाने के कारण यात्रियों के आने-जाने की जगह प्रभावित हुई है। ट्रेन आने के समय यात्रियों की भीड़ बढ़ने पर उन्हें थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।



गुमटियों-ठेलों को भी कराया गया बंद-वहीं खमतराई ब्रिज के दोनों तरफ पर्दादारी की गई है। गुमटियों और ठेलों को भी बंद करवाया गया है। DRM कार्यालय से लेकर आयोजन स्थल तक साज-सज्जा का काम चल रहा है। खमतराई ओवरब्रिज के दोनों ओर रंगीन पर्दे लगाने के लिए बांस-बल्लियां लगाई गई हैं। रेलवे इंस्टीट्यूट के बाजू से रेल मंत्री के मंच तक मैदान में सीसी रोड का काम पूरा हो चुका है। इसके अलावा ग्राउंड के चारों ओर मुरम की सड़कें बनाने का काम भी तेजी से चल रहा है।

RPF स्थापना दिवस को यादगार बनाने की तैयारी-रेल मंत्री के दौरे के दौरान उन्हें RPF जवानों की परेड और रिहर्सल का निरीक्षण करना है। ऐसे में रेलवे सुरक्षा बल के 42वें स्थापना दिवस समारोह को यादगार बनाने के लिए तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

शहर में RPF की बैंड पार्टी दे रही प्रस्तुतियां-शहर के अलग-अलग स्थानों पर RPF की बैंड पार्टी भी प्रस्तुतियां दे रही है। मंगलवार को भाठागांव बस स्टैंड में RPF बैंड ने लोकप्रिय और देशभक्ति गीतों की मधुर धुनें प्रस्तुत कीं। बैंड की प्रस्तुति सुनकर बड़ी संख्या में लोग रुक गए और जवानों की प्रस्तुति को देखते नजर आए।

नॉर्थ जोन के विवेचकों ने सीखी सांकेतिक भाषा, मूक-बधिर बच्चों ने जाना पुलिस का कामकाज

रायपुर ■ दैनन्दिनी

पुलिस कमिश्नरेट रायपुर की नॉर्थ जोन पुलिस ने मूक-बधिर बच्चों के साथ संवाद को आसान बनाने के लिए संवेदनशील पहल की है। "संकेत से संवाद–संवाद से समाधान" कार्यक्रम के तहत नॉर्थ जोन के विवेचकों को सांकेतिक भाषा का प्रशिक्षण दिया गया। वहीं कोपलवाणी स्पेशल स्कूल, सेमरिया के मूक-बधिर बच्चों ने DCP नॉर्थ जोन कार्यालय और थाना पंडरी का भ्रमण कर पुलिस की कार्यप्रणाली को करीब से जाना। पुलिस कमिश्नरेट रायपुर द्वारा पुलिस आयुक्त डॉ. संजीव शुक्ला के निर्देशन में "संवाद से समाधान" कार्यक्रम के माध्यम से पुलिस और आम नागरिकों के बीच सीधे संवाद को बढ़ाने, उनकी समस्याओं को समझने और समाधान की दिशा में कार्य करने की पहल लगातार की जा रही है।

पुलिस ने सीखी बच्चों से संवाद की भाषा-इसी कड़ी में नॉर्थ जोन द्वारा मूक-बधिर बच्चों को ध्यान में रखते हुए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य था कि ऐसे बच्चे, जो सामान्य बोलचाल के माध्यम से अपनी बात व्यक्त नहीं कर पाते, आवश्यकता पड़ने पर पुलिस से सहजता से संवाद कर सकें। कार्यक्रम पुलिस उपायुक्त नॉर्थ जोन दीपमाला कश्यप के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त नॉर्थ जोन आदित्य पांडे, एसीपी पंडरी कृष्ण कुमार चंद्राकर, एसीपी उरला पूर्णिमा लामा और कोपलवाणी से पद्मा शर्मा भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के पहले चरण में नॉर्थ जोन के सभी थानों के विवेचकों को सांकेतिक भाषा के प्रशिक्षकों द्वारा Sign Language का प्रशिक्षण



दिया गया। पुलिसकर्मियों को आवश्यक संकेतों के साथ मूक-बधिर बच्चों से संवाद करने के व्यवहारिक तरीके भी समझाए गए। इस प्रशिक्षण के पीछे उद्देश्य स्पष्ट था कि यदि किसी मूक-बधिर बच्चे के साथ कोई अपराध, दुर्घटना अथवा अन्य घटना होती है, तो संवाद की कठिनाई उसकी समस्या समझने में बाधा न बने। पुलिसकर्मी उसके संकेतों को समझ सकें, उससे जरूरी जानकारी प्राप्त कर सकें और संवेदनशीलता के साथ आवश्यक सहायता एवं कार्रवाई कर सकें।

बच्चे पहुंचे पुलिस के बीच-इसके बाद कोपल वाणी स्पेशल स्कूल, सेमरिया, रायपुर के मूक-बधिर बच्चों ने DCP नॉर्थ जोन कार्यालय का भ्रमण किया। बच्चों को कार्यालय की विभिन्न व्यवस्थाओं और पुलिस की कार्यप्रणाली के बारे में सरल तरीके से जानकारी दी गई।

DCP नॉर्थ जोन दीपमाला कश्यप सहित उपस्थित अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों ने बच्चों से सांकेतिक भाषा के माध्यम से संवाद किया। बच्चों ने भी संकेतों के माध्यम से अपनी बातें साझा कीं और पुलिस अधिकारियों से बातचीत की। इस दौरान बच्चों को यह अहसास कराने का प्रयास किया गया कि पुलिस उनकी बात समझने और आवश्यकता के समय उनकी सहायता के लिए उपलब्ध है।

बच्चों की प्रतिभा और हुनर को भी जाना-कार्यक्रम के दौरान बच्चों द्वारा Vocational Training एवं रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण के अंतर्गत तैयार किए गए विभिन्न पेंटिंग, आर्ट एवं क्राफ्ट तथा अन्य हस्तनिर्मित उत्पादों को भी देखा गया। बच्चों द्वारा अपनी रुचि एवं कौशल के अनुसार तैयार किए गए इन उत्पादों और कलाकृतियों को देखकर पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनके हुनर की सराहना की। बच्चों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने और उनके हुनर को रोजगार एवं स्वावलंबन से जोड़ने के उद्देश्य से पुलिस अधिकारियों द्वारा बच्चों के बनाए गए कुछ उत्पादों की खरीदारी भी की गई। इस पहल के माध्यम से बच्चों की मेहनत को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ उनके vocational training से जुड़े कार्यों में सहयोग करने का प्रयास किया गया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **ब्रजेश शुक्ला** द्वारा खसरा नं. 317/4, सालासर ग्रीन्स के पीछे, सरोना रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स, सरोना रायपुर से मुद्रित। **संपादक- ब्रजेश शुक्ला,** RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com